भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

3 जून - 9 जून 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - तृतीया , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-14, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

आज का समाज कैसा, 'शिक्षित' या 'आत्मघाती'?

सटीक

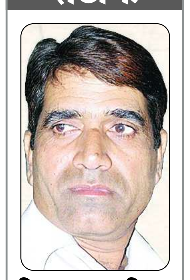

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हम सामाजिक प्राणी हैं ऐसा हमें पढ़ाया और बताया जाता है। मगर हमें सोचना चाहिए कि क्या हम वास्तव में सामाजिक प्राणी हैं। समाज में रहने के कुछ नियम और कानून होते हैं उनके अनुसार बिना किसी दूसरे को कष्ट पहुंचाए रहना ही हमारा सामाजिक प्राणी होना है। जो समाज कुछ दशकों पहले बहुत ही शांत और सलीके से रहता था, आज उस हिन्दू समाज की सारी वर्जनाएं टूटती जा रही हैं और समाज के मुखिया चुपचाप बिना कुछ कहे नहीं चाहते हुए भी सहे जा रहे हैं उनके पास सहने के अलावा कोई चारा नहीं है। आज समाज को चारों ओर से अंधकार ने घेर लिया है। आज की परिस्थितियों को देखते हुए एक गहन चिंतन, आत्म मंथन करने की जरूरत है क्योंकि यह डर सताने लगा है कि अगली सदी तक हमारा समाज रहेगा भी या नहीं। सबसे पहले समाज का एक महत्वपूर्ण संस्कार होता है पाणिग्रहण संस्कार। जिसको लेकर देखें तो पहले 16-17 वर्ष की उम्र में लड़की और 18-20 वर्ष की उम्र में लड़के का विवाह कर दिया जाता था, ताकि नए घर में लड़की को सामंजस्य बिठाने में कोई दिक्कत नहीं होती थी, लेकिन अपवाद को छोड़ दें तो अब लड़कियों का विवाह 30-35 की उम्र तक भी नहीं हो रहा है उनकी विवाह करने की इच्छा ही खत्म हो जा रही है और अगर विवाह हो भी जाता है तो बच्चे होने में देर होती है और बच्चे भी होते हैं तो एक ही बहुत। इसके बाद आपसी विवाद पैदा होते हैं नौकरी धंधे और आय-व्यय को लेकर। कुछ पति-पत्नी में अहंकार को लेकर विवाद होने लगते हैं और विवाद के चलते नौबत तलाक तक पहुंच जाती है। परिवार टूट जाते हैं। बच्चे कहीं तो मां-बाप कहीं। ऐसे में बुजुर्ग मां-बाप भी अकेले पड़ जाते हैं। ऐसे समाज को हम क्या कहेंगे- 'शिक्षित समाज' या 'आत्मघाती समाज'। **क्रमशः**

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत @2047 के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तीकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है। उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग विकसित राजस्थान के संकल्प को निरंतर शक्ति प्रदान करता है।

हाथों में फाइलें और डेढ़ घंटे मीटिंग?

जागरूक जनता @ राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के गठन के बाद से अब तक की सबसे बड़ी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राजनीतिक हलचल देश की राजधानी में देखने को मिली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके आधिकारिक निवास पर एक लंबी और सघन समीक्षा बैठक की। सूत्रों के अनुसार, बंद कमरे में चली यह मुलाकात एक घंटे से भी ज़्यादा देर तक चली, जिसमें राजस्थान के विकास कार्यों के साथ-साथ राज्य के वर्तमान राजनीतिक और सांगठनिक परिदृश्य पर आमने-सामने विस्तृत चर्चा की गई। इस मुलाकात के बाद जो सबसे खास बात चर्चा का विषय बनी, वह थी बैठक की आधिकारिक तस्वीरें। आम तौर पर मुलाकातों में गुलदस्ता या चिन्ह भेंट करने की तस्वीरें ही सार्वजनिक की जाती हैं। लेकिन इस बार पहली बार एक ऐसी अनूठी तस्वीर जारी की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोनों के हाथों में दस्तावेजों और फाइलों का एक पुलिंदा नजर आ रहा है। साथ ही एक नहीं कई बैग भी नजर आ रहे हैं। दोनों नेताओं की इस गंभीर मुद्रा वाली तस्वीर ने राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक गलियारों में अचानक से सस्पेंस और खलबली पैदा कर दी है।

चारधाम यात्राः 27 लाख 67 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उत्तराखंड। चारधाम यात्रा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। 27 लाख 67 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। केदारनाथ धाम में 10 लाख 18 हजार श्रद्धालु पहुंचे। बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब में भी भारी भीड़ उमड़ी। आपको बता दें कि चारधाम यात्रा ने मई में नया रिकॉर्ड बनाया। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे। 22.16 लाख श्रद्धालु 30 मई तक दर्शन कर चुके है। उत्तराखंड राज्य बनने के बाद मई का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 2024 में मई तक 19.82 लाख और 2025 में 17.89 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। सबसे ज्यादा भीड़ केदारनाथ में, मई में यहां 8.46 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। जून में भी यात्रियों की संख्या कम होने के आसार नहीं है।

मुख्यमंत्री शर्मा की केन्द्रीय मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट

ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी एवं केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से राजस्थान में खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने तथा प्रदेश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने हेतु नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जारी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं व आगामी विकास परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के क्रियान्वयन की सराहना की। मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया से राजस्थान के युवाओं के कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों के सृजन और राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने व स्थानीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं व प्रोत्साहन को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

BIYANI GROUP OF COLLEGES
Where you can trust
(Approved by UGC, AICTE, BCI, PCI, COA, INC, RNC | Affiliated to State Universities | Accredited by NAAC)

BE THE DIFFERENCE
Everyone Notices
IN THE CROWD

COURSES OFFERED (ALONGWITH AI CERTIFICATION)

BCA | MCA | BBA | MBA | B.Com. | M.Com. | BHMS (Homoeopathy) | BNYS (Naturopathy)
B.Sc. Nursing Ayurveda | DAN&P | B.Pharm | D.Pharm | BA-LL.B. | LL.B. | LL.M. | PGDLL
BA | MA | B.Sc. | M.Sc. | Fashion | Journalism | Visual Arts | B.Sc. Nursing | GNM
D.El.Ed. | B.Ed. | M.Ed. | B.Sc.-B.Ed. | B.A.-B.Ed. | B.Ed.-M.Ed. | B.P.Ed. | PGDYT

WHY BIYANI?

- All courses affiliated with State Government Universities
- AI, Start-up & Industry Oriented Certification courses
- Higher Studies, Internships & Placements abroad and Global Languages
- IAS/RAS/RJS/SSC/CS/etc. preparation alongwith regular courses
- In House Hostel Facility and Sports Academy
- Personality Development Programme
- Value Education and Assured Placement
- No Cost EMI & Scholarships

21+ Years of Legacy | 04 Campuses | 23 Courses at Girls College | 18 Courses at Co-Ed College
6725 Students on Campus | 420 Experienced Faculty Members | 12500+ Alumni across Globe | 16 Foreign University Partners

Dial or WhatsApp us to get the E-Prospectus and life changing books for FREE.
+91-8696218218, 8290636942
Head Office: Sector-3, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-302039
wwwbiyanicolleges.org

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Natural Immunity Booster
FORTIFIED
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER
Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil
WOOD PRESSED

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Arward Details : Contact 9829050807
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

जनगणना कार्य में लापरवाही पर कार्मिक अंजू वर्मा निलंबित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जनगणना 2027 कार्य को गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ संपादित करने के निर्देशों की अवहेलना करने पर जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। जनगणना कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के मामले में मंगलवार को एक जनगणना कार्मिक को निलंबित किया गया है।

प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक के आदेशानुसार जनगणना कार्य हेतु नियुक्त प्रगणक सुश्री अंजू वर्मा, अध्यापिका लेवल-2 अंग्रेजी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डेहरा, जोबनेर को प्रधानाचार्य द्वारा कार्यमुक्त किए जाने के उपरांत भी चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार जोबनेर द्वारा आवंटित एचएलबी संख्या 0152 का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया।

जनगणना जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के प्रति अकर्मण्यता, लापरवाही तथा संबंधित प्राधिकृत अधिकारियों के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना किए जाने को गंभीरता से लेते हुए प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर द्वारा उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

विद्याधर नगर के हाल-बियानी कॉलेज मोड़

कभी भी हो सकता है यहां बड़ा हादसा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिछले अंक में हमने अलका सिनेमा तिराहे (परशुराम सर्किल) की बेहाल स्थिति से पाठकों को अवगत कराया था। इसी कड़ी में आज ट्रैफिक की बात करेंगे। प्रदेश के मुखिया शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। उनका सपना है कि राजधानी जयपुर ट्रैफिक में सिग्नल फ्री बनें। उसके लिए वे दिशा-निर्देश भी जारी करते रहे हैं। इसी के तहत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र का अम्बाबाड़ी रोड जो बियानी कॉलेज मोड़ से सीकर रोड को जोड़ता है, अपने अति व्यस्त ट्रैफिक के चलते भारी दबाव में है। अब हाल देखिए जहां शिक्षा के दो बड़े केन्द्र आमने-सामने है और बीच में है भीड़भरी सड़क।

हम बात कर रहे हैं बियानी कॉलेज के पास घुमाव की, जहां सड़क के एक तरफ है बियानी गर्ल्स कॉलेज और सड़क के दूसरी तरफ है माहेश्वरी गर्ल्स स्कूल। इस रोड पर वाहनों की भारी भीड़ रहती है और इस पॉइंट पर ऐसा घुमाव है जहां वाहन चालक को बड़ी सावधानी से गुजरना पड़ता है वरना सावधानी हटी और दुर्घटना घटी वाली कहावत चरितार्थ होने में देर नहीं लगती।

यहां पर चार तरफ से रास्ते मिलते हैं पहला रास्ता अम्बाबाड़ी की तरफ से आता है और दूसरा सीकर रोड की तरफ से, तीसरा बियानी गर्ल्स कॉलेज की तरफ से और चौथा नया खेड़ा की कॉलोनियों की तरफ से। यहां वाहन जैसे ही घुमाव पर आते हैं उसकी स्टेयरिंग गड़बड़ा जाती है कारण अम्बाबाड़ी की तरफ से आने वाला वाहन नया खेड़ा की तरफ घूमता है या सीधे सीकर रोड़ की तरफ अथवा बियानी कॉलेज की तरफ जाने के लिए सीधे ही सड़क को क्रॉस करता है तो सीकर रोड की तरफ से आने वाला वाहन दिग्भ्रमित हो जाता है कि किस तरफ वाहन को बचाए। ऐसी ही हालत नया खेड़ा की तरफ से सीकर रोड पर जाने वाले वाहन की होती है उसका ध्यान सामने होता है और अचानक

अम्बाबाड़ी की तरफ से बियानी की तरफ जाने वाला वाहन सामने आ जाता है। दूसरी तरफ माहेश्वरी गर्ल्स स्कूल का गेट भी कुछ समय से इसी मोड़ पर खुलने लग गया है पहले इसका रास्ता सेक्टर-1 में अंदर की तरफ ही खुलता था। ऐसे में स्कूल की छुट्टी के समय बच्चियों की भीड़ हो जाती है। इसे चौराहा कहें, मोड़ कहें या तिराहा कहें इस पर संभावित दुर्घटना से बचने के लिए संबंधित विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को ध्यान देना ही चाहिए, क्योंकि आम नागरिकों के अलावा छोटी बच्चियों एवं गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं का इस मोड़ पर ज्यादा आवागमन रहता है। इसके अलावा एल.एस. नगर रोड पर अन्य स्कूलों की अधिकता के चलते विद्यार्थियों की चहल-कदमी अधिक रहती है। इससे वाहनों की रेलमपेल के बीच दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

क्रमशः

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टोलरेंस नीति

वाहन मोडिफाई कर मादक पदार्थों का परिवहन एवं गैर कानूनी गतिविधियां करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

काली फिल्म, प्रेशर हॉर्न, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती एवं नियम विरूद्ध नम्बर प्लेट पर कड़ी निगराणी

वाहन स्वामियों को 3 दिन का अवसर, इसके बाद चालान, वाहन जब्ती एवं अन्य कानूनी कार्रवाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वाहनों में अवैध मोडिफिकेशन कर मादक पदार्थों का परिवहन एवं अन्य गैर कानूनी गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर अब कड़ी कार्रवाई होगी। प्रदेशभर में ऐसे वाहन स्वामियों के खिलाफ चालान, जब्ती एवं अन्य कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसी गैर कानूनी गतिविधियां करने वाले तत्वों के विरूद्ध राज्य सरकार की जीरो टोलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसकी अनुपालना में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा प्रदेशभर में जनजागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सभी क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

परिवहन विभाग के संज्ञान में आया है कि असामाजिक तत्वों द्वारा वाहनों में अवैध मोडिफिकेशन कर मादक पदार्थों का अवैध परिवहन सहित अन्य गैर कानूनी गतिविधियां करने की संभावनाएं रहती हैं। वाहनों पर नियम विरूद्ध प्रतीक आदि लगाकर आमजन को भयभीत किए जाने की भी सूचनाएं मिलती हैं। ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यव्यापी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के तहत मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के प्रावधानों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जाएगा।

परिवहन विभाग के अनुसार राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे वाहन संचालित होने की सूचनाएं सामने आती हैं, जिनमें नियमों के विपरीत अवैध मोडिफिकेशन, प्रेशर हॉर्न, एयर हॉर्न, अनाधिकृत लाल एवं नीली बत्तियां, फ्लैशर, हूटर, काली फिल्म, नियम विरूद्ध नम्बर प्लेट, अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन प्रदर्शित किए जा रहे हैं। ऐसे वाहनों का उपयोग गैर कानूनी गतिविधियों एवं अपराधों में भी किए जाने की संभावना रहती है।

मोडिफिकेशन के कारण वाहनों की पहचान नहीं होने से अपराधियों को पकड़ना भी मुश्किल हो जाता है। साथ ही, सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। ऐसी अवांछित गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए राज्यभर में व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि वाहन स्वामी स्वेच्छा से नियमों का पालन सुनिश्चित कर सकें।

अवैध मॉडिफिकेशन पर सख्त कार्रवाई

विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहन की संरचना, बॉडी, चेसिस में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता, जिससे वाहन के पंजीकरण प्रमाण-पत्र में दर्ज मूल विवरण प्रभावित हो। वाहन का प्रकार, सीटिंग क्षमता, रंग एवं आयाम अथवा निर्माता द्वारा अनुमोदित विनिर्देशों से भिन्न कोई भी परिवर्तन अवैध माना जाएगा। किसी वाहन पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना लाल या नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, बीकन लाइट, हूटर, प्रेशर हॉर्न, एयर हॉर्न अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत ध्वनि उपकरण पाए जाने पर मौके पर ही हटाया जाएगा। ऐसे मामलों में चालान के साथ ड्राइविंग लाइसेंस अयोग्य घोषित करने अथवा निरस्त करने की कार्रवाई भी होगी। वाहनों के शीशों पर निर्धारित मानकों से अधिक काली फिल्म या अन्य अपारदर्शी सामग्री पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। वाहन की बॉडी अथवा अन्य भागों पर नियम विरूद्ध शब्द, चिन्ह, स्टिकर, मोनोग्राम या लेखन प्रदर्शित करने/लगाने पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

औरतों की आजादी के मामले में भी पिछड़ा राजस्थान

34% महिलाओं के पास इंटरनेट नहीं

NHFS-6 में सामने आई हकीकत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में आज भी कई घर ऐसे हैं, जहां पीने के लिए साफ पानी नहीं है। करीब 34 फीसदी महिलाओं ने इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं किया। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (NFHFS-6) की ताजा रिपोर्ट में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े आंकड़े चिंताजनक है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में महिलाओं, बच्चों और परिवारों की सामाजिक स्थिति के बारे में डेटा शामिल हैं। इस रिपोर्ट में जानिए पेयजल, बिजली-इंटरनेट कनेक्शन समेत कई बुनियादी सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानिए।

साल 2019-21 के मुकाबले और बिगड़े हालात

रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान में 15.5 फीसदी महिलाएं खुद से जुड़े और परिवार के मूलभूत निर्णय नहीं लेती है। देशभर में यह आंकड़ा 11 फीसदी है यानी राजस्थान का औसत देशभर से खराब है। आज भी इन परिवारों में महिलाओं को फैसले लेने की आजादी नहीं है। यहां तक कि घर में जरूरी सामान की खरीद, परिजनों और रिश्तेदारों से मिलने जाने और अपने स्वास्थ्य की देखरेख से जुड़े फैसले भी खुद नहीं करती है। आंध्रप्रदेश के बाद राजस्थान इसमें सबसे पिछड़ा हुआ है। 2019-21 की रिपोर्ट में ऐसी महिलाएं 87.7 फीसदी थीं, जबकि 2023-24 में ये स्थिति सुधरने के बजाय खराब हुई है।

करीब 5 फीसदी घरों में पीने का साफ पानी नहीं

2019-21 के एनएफएचएस सर्वे (NHFS-5) के मुताबिक 98.1 फीसदी घरों में बिजली थी। साल 2023-24 में 98.4 फीसदी घरों में बिजली का कनेक्शन पहुंच गया है। लेकिन पीने का साफ पानी 4.8 फीसदी घरों में उपलब्ध नहीं है। 2019-21 में यह आंकड़ा 3.5 फीसदी तक था।

पिछले वर्षों के मुकाबले डिजिटल साक्षरता बढ़ी

वहीं, महिलाएं अब तेजी से डिजिटल साक्षर हो रही है। साल 2019-21 के डेटा देखें तो 36.9 फीसदी महिलाएं इंटरनेट इस्तेमाल करती थी। ताजा रिपोर्ट में साल 2023-24 के आंकड़े 66.3 फीसदी महिलाओं ने इंटरनेट इस्तेमाल किया है। वहीं, 80.5 फीसदी पुरुष ऐसे हैं, जिन्होंने इंटरनेट का इस्तेमाल किया है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

25 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 13 केन्टर सामान जब्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में कंचन गंगा अपार्टमेन्ट, विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सामने, रिको पुलिया सांगानेर, श्योपुर रोड़ सांगानेर, इण्डिया गेट सीतापुरा, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 2 व 3 के सामने, ट्रोमा सेन्टर, अजमेरी गेट, महारानी कॉलेज, महेश नगर एवं किसान मार्ग आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 13 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में कंचन गंगा अपार्टमेन्ट, विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सामने, रिको पुलिया सांगानेर, श्योपुर रोड़ सांगानेर, इण्डिया गेट सीतापुरा, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 2 व 3 के सामने, ट्रोमा सेन्टर, अजमेरी गेट, महारानी कॉलेज, महेश नगर एवं किसान मार्ग आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

कर्मचारियों को मिलेगी डिजिटल सुविधाः एसकेएनएयू में प्रपत्र-16 एवं आयकर पोर्टल का शुभारंभ

डिजिटल तकनीक से सशक्त होगा विवि प्रशासन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में डिजिटल प्रशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सूचना प्रबंधन एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग केंद्र (सिमका) द्वारा वित्त नियंत्रक कार्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए "कर्मचारी प्रपत्र-16 एवं आयकर पोर्टल" विकसित किया गया है। पोर्टल का शुभारंभ कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान द्वारा विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा इसकी कार्यप्रणाली का प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि डिजिटलीकरण से कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं गति बढ़ती है। इससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सरल होता है, समय की बचत होती है तथा अभिलेखों का सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रबंधन संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीकों के उपयोग से शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है तथा विश्वविद्यालय डिजिटल सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वित्त नियंत्रक आर. एस. मीणा ने कहा कि कर्मचारी प्रपत्र-16 एवं आयकर पोर्टल के माध्यम से कर्मचारियों को आयकर संबंधी दस्तावेज समय पर एवं सुगमता से उपलब्ध हो सकेंगे। यह पोर्टल कागजी कार्यवाही को कम करने, अभिलेखों के बेहतर प्रबंधन तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रणालियों के प्रभावी क्रियान्वयन से विश्वविद्यालय के वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्य अधिक व्यवस्थित, त्वरित एवं जवाबदेह बनेंगे।

पोर्टल का प्रदर्शन सिमका प्रभारी डॉ. सुरेश कुमार शर्मा द्वारा किया गया, जिनकी टीम ने इस पोर्टल का निर्माण किया है। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी वित्तीय वर्ष 2023-24 से डिजिटल हस्ताक्षरित प्रपत्र-16 एवं प्रपत्र-16ए ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही जीए-55 वेतन आंकड़ों अथवा स्व-गणना के आधार पर अपना आयकर स्वयं परिकलित कर सकेंगे। यह पोर्टल कागज-रहित प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बैठक में समर्थ ई-शासन समग्र प्रणाली तथा ई-फाइलिंग प्रणाली के विश्वविद्यालय में क्रियान्वयन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. सुरेश कुमार शर्मा ने दोनों प्रणालियों का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए बताया कि समर्थ प्रणाली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय गतिविधियों को एक समेकित डिजिटल मंच पर लाएगी, जबकि ई-फाइलिंग प्रणाली से समस्त आधिकारिक पत्राचार एवं फाइल निपटान पूर्णतः डिजिटल हो जाएगा। बैठक में विश्वविद्यालय में समर्थ ई-शासन समग्र प्रणाली के क्रियान्वयन तथा ई-फाइलिंग प्रणाली लागू करने संबंधी विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। विभिन्न संकायाध्यक्षों, निदेशकों, अधिकारियों, विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों ने डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

राजस्थान पुलिस के एक ही दिन में 15,000 से अधिक चालान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस ने अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और यातायात नियमों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के लिए सोमवार 1 जून को पूरे प्रदेश में व्यापक नाकाबंदी अभियान चलाया। अतिरिक्त महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) वीके सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान राज्य के सभी रेंज और कमिश्नरेट क्षेत्रों में कुल 1103 नाकाबंदी पॉइंट स्थापित किए गए। पुलिस टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुल 39,984 दुपहिया और 34,888 चौपहिया वाहनों की सघन चेकिंग की गई जबकि 226 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुर्माना

एडीजी सिंह ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 15,083 चालान बनाए गए। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 3234, बिना सीट बेल्ट 1648, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले 184, नंबर प्लेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले 1653, काली फिल्म लगे वाहनों के 1643 तथा अन्य श्रेणियों में 6433 चालान शामिल हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 385 वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।

अवैध हथियार, ड्रग्स और भारी नगदी जब्त

यातायात चेकिंग के साथ-साथ पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी, जिसके परिणाम स्वरूप 11 वाहन जब्त किए गए तथा 73 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें आर्मस एक्ट के 4, आबकारी अधिनियम के 30, एनडीपीएस एक्ट के 2 तथा अन्य विशेष एवं स्थानीय कानूनों के 37 मामले शामिल हैं।

UEM में आए टॉप रिक्रूटर्स, स्टूडेंट्स को मिले शानदार प्लेसमेंट ऑफर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM) जयपुर में प्लेसमेंट का सीज़न ज़बरदस्त सफलता देख रहा है। 2026 में पास होने वाले बैच के लिए लगातार कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव चलाई जा रही हैं, साथ ही 2027 में ग्रेजुएट होने वाले प्री-फाइनल ईयर के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट के मौके भी दिए जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कंप्यूटर एप्लीकेशंस और दूसरे प्रोफेशनल विषयों के छात्रों के लिए बेहतरीन करियर के मौके पक्का करने की अपनी कमिटमेंट को साबित किया है।

UEM जयपुर में चल रहे प्लेसमेंट ड्राइव में कई जानी-मानी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़, इंफोसिस, विप्रो, कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, एक्सेंचर, टेक महिंद्रा, PwC, डेलॉइट, IBM, HCLTech, L&T टेक्नोलॉजी सर्विसेज़, Byju's, He&aware टेक्नोलॉजीज़, Zscaler जैसी मशहूर कंपनियों के अलावा कई कोर इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, फाइनेंस, कंसल्टिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनियों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में रिक्रूटमेंट ड्राइव चलाई हैं।

UEM जयपुर के छात्रों को इस सीज़न में प्लेसमेंट के बहुत ही आकर्षक ऑफर मिले हैं। सबसे ज़्यादा पैकेज एक शानदार लेवल तक पहुँचा है, जो छात्रों की इंडस्ट्री के लिए तैयारी और तकनीकी काबिलियत को दिखाता है। कई छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बिज़नेस एनालिटिक्स, VLSI, कोर इंजीनियरिंग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में जानी-मानी कंपनियों से कई ऑफर भी मिले हैं।

राजस्थान में करप्शन पर एक्शनः 26 अफसर बर्खास्त और 1 IAS समेत 435 सस्पेंड, 28 की आजीवन पेंशन बंद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और विभागीय लापरवाही के मामलों में राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कई अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर चल रही इस प्रक्रिया के तहत अब तक 1 RAS समेत कुल 26 अधिकारियों को सरकारी सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। इसके साथ ही, एक IAS अधिकारी समेत 435 कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है। सेवानिवृत्त हो चुके 28 अधिकारियों के मामलों में भी वित्तीय अनियमितताएं पाए जाने पर उनकी आजीवन पेंशन रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

किन-किन अफसरों को नौकरी से हटाया?

राज्य सरकार ने उन अधिकारियों को सीधे नौकरी से हटा दिया है, जिन पर कोर्ट में भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हो चुके हैं या गंभीर विभागीय अनियमितताएं पुष्ट हुई हैं। बर्खास्त होने वाले मुख्य अधिकारियों में RAS अधिकारी नर सिंह, तत्कालीन अतिरिक्त निदेशक सुरेंद्र सिंह (सामाजिक न्याय) व संजय पांडे (पर्यटन), कृषि उपनिदेशक डॉ. पीआर खींची व राजेश कुमार नैनावत और पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन विकास अधिकारी भरत प्रकाश मेघवाल शामिल हैं। इनके अलावा सहायक आचार्य डॉ. सुनील व्यास व वैजयंती मीणा, खनिज अभियंता अनिल खिमेसरा, सहायक आयुक्त महावीर सिंह आसीवाल, प्रवक्ता प्रियंका दिवाकर, कृषि अधिकारी शीना लुकोश, व्याख्याता अमृत लाल मीणा, लेखा सेवा के नरेंद्र तंवर और चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राम मोहन सिंह चौहान, डॉ. मुरलीधर शर्मा व डॉ. मनोहर लाल को भी नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

इन अधिकारियों की पेंशन रोकने के आदेश

भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार ने रिटायर हो चुके अधिकारियों पर भी नियमानुसार कार्रवाई की है। अपने कार्यकाल के दौरान घोटालों और पद के दुरुपयोग में लिप्त पाए गए 28 अधिकारियों की आजीवन पेंशन और ग्रेच्युटी को स्थायी रूप से रोक दिया गया है। पेंशन गंवाने वाले इन अधिकारियों में आरएएस फतेह राय सोनी, यूआईटी अलवर के तत्कालीन उप सचिव बनवारी लाल मीणा, आरपीएस ओमप्रकाश चंदोलिया और खान विभाग के अतिरिक्त निदेशक राकेश हीरात शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, झालावाड़ के तत्कालीन वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विलास राव गुल्हाने को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई है।

108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति, 577 की जांच जारी

एंटी करप्शन ब्यूरो और अन्य जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति जारी कर दी है। इससे आय से अधिक संपत्ति, ट्रैप और पद के दुरुपयोग के मामलों में दागी अधिकारियों पर सीधे अदालत में मुकदमा चलेगा। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत भी 37 मामलों में प्रशासनिक कदम उठाए गए हैं। वर्तमान में विभिन्न विभागों से जुड़े 577 प्रकरणों की जांच चल रही है, जबकि अखिल भारतीय सेवा (AIS) के 9 अधिकारियों से जुड़ी फाइलें भी प्रक्रियाधीन हैं।

लापरवाही और जवाबदेही पर सरकार का रुख

प्रशासनिक कामकाज को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि आमजन को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना सरकार की प्राथमिकता है। निर्देशों के अनुसार, फाइलों को बिना कारण लंबित रखने, सरकारी धन का दुरुपयोग करने और जनता के काम में बेवजह देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासनिक जवाबदेही से बचने वाले कर्मचारियों को सेवा में बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री का युवाओं से संवाद : स्वरोजगार की ओर बढ़ें युवा, राज्य सरकार करेगी मदद

युवा विकसित राजस्थान के संकल्प में निभाएं अपनी भूमिका-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पहले दिन से ही युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने एवं 6 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। इसी क्रम में 1 लाख 25 हजार से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं, 1 लाख 35 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं एवं इस वर्ष 1 लाख 25 हजार पदों का भर्ती कैलेण्डर भी जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर युवाओं से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेपरलीक ने युवाओं के सपनों को तोड़ा, लेकिन हमारी सरकार ने इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा है। हमारे कार्यकाल में बिना पेपरलीक के 350 से अधिक परीक्षाएं आयोजित हुई हैं। वहीं, प्रदेश के युवाओं को प्रगति के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा नीति भी लाई गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के अवसर मिले, इसके लिए भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम स्तर पर युवाओं के लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीब 4 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 436 रोजगार सहायता शिविर आयोजित किए हैं, युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 6 प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण हेतु ऋण की सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रूपये किया है। योजना के अन्तर्गत 248 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत फंडिंग प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रोडमैप बनाया, जिसके तहत सबसे पहले जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। वहीं, आईजीएनपी एवं गंग नहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, ब्राह्मणी नदी एवं माही बांध परियोजना जैसे अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसी क्रम में 26 जिलों के किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। गांवों और शहरी वार्डों के विकास का रोडमैप बनाने के लिए मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास रथों के माध्यम से प्रदेश में किसान कल्याण की दिशा में कार्य किया गया है। जल संचय के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। हमारी सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान चलाकर लगभग 20 करोड़ पौधारोपण का कार्य किया है। इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में डेयरी, सहकारिता, पर्यटन, खनन सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए युवा इन क्षेत्रों से जुड़कर अपनी आजीविका का मार्ग प्रशस्त करें।

'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम'

लोक संस्कृति, परंपराओं का करेंगे प्रभावी प्रतिनिधित्व-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के तहत चयनित राजस्थान के 'माय भारत स्वयंसेवकों' को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा यह अनुभव युवाओं में देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' में राजस्थान के युवाओं का चयन राज्य के लिए गौरव का विषय है। देशभर से चयनित 100 युवाओं के दल में राजस्थान के 15 प्रतिभाशाली स्वयंसेवक शामिल होकर हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों में राष्ट्र निर्माण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में भाग लेंगे।

प्रदेश को मिलेगा 'माय भारत स्वयंसेवकों' के अनुभव का लाभ

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राजस्थान के ये युवा स्वयंसेवक न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे, बल्कि राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का भी प्रभावी प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम से लौटने के बाद वे अपने अनुभवों का उपयोग राज्य में सामाजिक जागरूकता, युवा सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के वीर जवानों के साथ कार्य करते हुए इन युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों, वहां के जनजीवन, संस्कृति एवं विकास की आवश्यकताओं को निकट से समझने का अवसर मिलेगा।

प्रदेश के युवाओं ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

इस कार्यक्रम के लिए युवाओं का चयन एक कड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया है। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'माय भारत पोर्टल' पर 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज क्विज' का आयोजन किया गया था। इस राष्ट्रव्यापी क्विज में देश भर से कुल 2.59 लाख युवाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें राजस्थान के 16 हजार से अधिक युवाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस कड़ी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अव्वल रहे राजस्थान के 15 उत्कृष्ट युवाओं को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

पीएम पोषण योजना के भोजन का निरीक्षण एवं जांच निरंतर करें-मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय संचालन एवं निगरानी समिति की बैठक सचिवालय में ली और योजना की मॉनिटरिंग अधिक प्रभावी ढ़ंग से करने के निर्देश दिए।

बैठक में समिति ने केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना के लिए राजस्थान को स्वीकृत 953.97 करोड़ रुपये सम्बंधी अनुमोदन किया। मुख्य सचिव ने योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए पीएम पोषण योजना के RAJSIMS पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए

अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक में अवगत कराया गया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर व शैक्षणिक विकास को सशक्त आधार दिया जा रहा है। इस योजना से बच्चों में कुपोषण स्तर कम हो रहा है, ड्रॉप आउट कम हुआ है और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। मुख्य सचिव को कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया। यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है। प्रधानमंत्री जी ने भी राज्य सरकार के इस नवाचार की प्रशंसा की है। कृष्ण भोग योजना न केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, साथ ही, कुपोषण एवं एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60 लाख 54 हजार 768 भोजन थाली परोसी गई।

कार्यस्थल पर मिलेंगी खेल सुविधाएं, युवा शीघ्र शुरू कर सकेंगे अपना उद्योग

जागरूक जनता नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास और 'प्लग एंड प्ले' आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। रीको द्वारा प्लग एंड प्ले तथा स्पोर्ट्स फैसिलिटी के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे. ऐसे 15 भूखंडों पर ई-बिडिंग हुई है। अतः इन 15 भूखंडों का रेंटल बेसिस पर आवंटन किया जा रहा है, जिसमें 12 भूखंड खेल सुविधाएं और 3 भूखंड 'प्लग एंड प्ले' के लिए है। जयपुर जिले में सीतापुरा फेज-तृतीय, अपैरल पार्क और बगरू (छितरौली), कोटा के इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र, जोधपुर के बोरानाडा, आबू रोड (अर्बुदा), खैरथल-तिजारा के भिवाड़ी (कारोली), झुंझुनू-द्वितीय, अजमेर के किशनगढ़, पाली फेज-IV, सवाई माधोपुर के खेरड़ा और सीकर के रींगस विस्तार औद्योगिक क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के लिए भूखंडों का आवंटन किया जा रहा है। जयपुर जिले के सीतापुरा फेज-तृतीय, जोधपुर के बोरानाडा स्थित एग्रो फूड पार्क तथा कोटा के एग्रो फूड पार्क (रानपुर) में प्लग एंड प्ले के लिए भूखंडों का आवंटन किया जा रहा है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्यभर के पेट्रोल पंप डीलरों से किया संवाद, आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा

राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, कोई कमी नहीं-श्रीनिवास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में प्रदेश के विभिन्न पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोल पंप संचालकों से सीधे संवाद कर राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त करना था। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीष कुमार, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) विजय कुमार सिंह तथा अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पूनम सागर भी उपस्थित रहे। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के पेट्रोल पंप डीलरों ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों में ईंधन एवं एलपीजी की उपलब्धता के संबंध में जानकारी साझा की।

अधिकांश डीलरों ने बताया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति सामान्य और सुचारु बनी हुई है तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मुख्य सचिव ने डीलरों से जमीनी स्तर की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। बैठक में सरकारी तेल विपणन कंपनियों एचपीसीएल, बीपीसीएल एवं आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक तथा निजी तेल कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था तथा घरेलू उपभोक्ताओं के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों के विस्तार की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में ईंधन एवं रसोई गैस की उपलब्धता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है तथा आमजन को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

पुष्कर की बैठक में 'जादू' गायब! राहुल के घेरे से दूर गहलोत, कांग्रेस में बदलाव की आहट तेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पुष्कर/जयपुर @ श्रीकांत व्यास। राजस्थान कांग्रेस की राजनीति में इन दिनों एक तस्वीर और एक बैठक सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनी हुई है। पुष्कर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में आयोजित संगठनात्मक संवाद ने प्रदेश की सियासत में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता मौजूद रहे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मुख्य बैठक में अनुपस्थिति ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज कर दिया है।

पुष्कर में आयोजित इस बैठक का उद्देश्य संगठन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना बताया गया। राहुल गांधी ने प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद कर आगामी राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। बैठक की तस्वीरों में राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, हरीश चौधरी सहित कई प्रमुख नेता दिखाई दिए, लेकिन गहलोत इस मुख्य गोलमेज बैठक का हिस्सा नजर नहीं आए।

यही कारण है कि सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक विश्लेषकों तक हर कोई यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर राजस्थान कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शामिल अशोक गहलोत इस महत्वपूर्ण बैठक के केंद्र में क्यों नहीं थे। कई राजनीतिक जानकार इसे संगठन के भीतर बदलते शक्ति संतुलन के संकेत के रूप में देख रहे हैं। चर्चाओं को और हवा तब मिली जब मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी ने बैठक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि राहुल गांधी ने "राजस्थान कांग्रेस परिवार" के साथ सामूहिक संवाद किया। चौधरी की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठने लगा कि यदि यह पूरा कांग्रेस परिवार था, तो फिर गहलोत की भूमिका और स्थान को लेकर क्या संदेश दिया जा रहा है। हालांकि बैठक से पहले राहुल गांधी और अशोक गहलोत की मुलाकात हुई थी। दोनों नेताओं ने औपचारिक अभिवादन भी किया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि तस्वीरों और बैठकों का संदेश अक्सर शब्दों से अधिक प्रभावशाली होता है। ऐसे में गहलोत की गैरमौजूदगी को सामान्य घटना मानने वाले कम दिखाई दे रहे हैं। इधर हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौसम खराब होने के कारण अचानक जयपुर एयरपोर्ट पर उतरना और वहां अशोक गहलोत से मुलाकात होना भी चर्चा में है। कांग्रेस के भीतर चल रही संभावित रणनीतिक गतिविधियों को लेकर इन घटनाओं को जोड़कर देखा जा रहा है।

फिलहाल कांग्रेस की ओर से किसी प्रकार के मतभेद या बदलाव की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन पुष्कर की इस बैठक ने इतना जरूर संकेत दिया है कि राजस्थान कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर नई सोच आकार ले रही है। आने वाले महीनों में यह साफ हो सकेगा कि यह केवल एक संगठनात्मक बैठक थी या फिर प्रदेश कांग्रेस में किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की शुरुआत।

सम्पादकीय

डिजिटल क्रांति और प्लास्टिक नोट लाने का फैसला

डिजिटल दौर में भी बढ़ती नकदी को संभालने और फटे नोटों के खर्च से बचने के लिए आरबीआई अब टिकाऊ और सुरक्षित पॉलिमर नोट लाने की तैयारी कर रहा है। सरसरी तौर पर भले ही यह अनावश्यक लगे लेकिन यह निर्णय ध्यान देने लायक है। खासतौर पर तब जबकि भारत डिजिटल भुगतान में दुनिया में अग्रणी देश के रूप में उभरा है। लेकिन आंकड़े कुछ और ही कहते हैं। नकदी को अप्रासंगिक बनाने के बजाय भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति के साथ-साथ मुद्रा के उपयोग में लगातार वृद्धि हुई है।

इसलिए केंद्रीय बैंक के सामने चुनौती यह है कि मुद्रा के प्रवाह को अधिक कुशल, सुरक्षित और टिकाऊ बनाया जाए। रिजर्व बैंक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट इस वास्तविकता को रेखांकित करती है। वर्ष 2025-26 में प्रचलित मुद्रा 11 फीसदी से अधिक बढ़ी, जो पिछले वर्ष की 5.8 फीसदी वृद्धि से लगभग दोगुनी है, जबकि इसी दौरान डिजिटल भुगतान भी तेजी से विस्तार करता रहा। दूसरे शब्दों में कहें तो डिजिटल और नकद भुगतान एक-दूसरे का स्थान नहीं ले रहे है बल्कि साथ-साथ मौजूद हैं। इस बढ़ते मुद्रा भंडार का प्रबंधन लगातार महंगा होता जा रहा है। वर्ष 2024-25 में बैंक नोट छापने पर 6,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च हुई। इसी समय लगभग 24 अरब घिसे-पिटे नोटों को प्रचलन से वापस लिया गया जो घिसी हुई मुद्रा को बदलने के परिचालन बोझ को उजागर करता है। छोटे मूल्य वर्ग के नोट जो बार-बार हाथ बदलते हैं वे खासतौर पर जल्दी खराब हो जाते हैं। ऐसे में यह उचित ही है कि रिजर्व बैंक 10 और 20 रुपये के नोटों के लिए एक प्रायोगिक परियोजना पर विचार कर रहा है। छोटे मूल्य वर्ग के नोटों का हिस्सा भी बढ़ाया जाना चाहिए। यह कहना मुश्किल नहीं है कि छोटे मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता अक्सर लेनदेन को प्रभावित करती है। पॉलिमर नोट पतले प्लास्टिक से बने होते हैं जो नमी, गंदगी और फटने के मामले में अधिक सुरक्षित होते हैं। हालांकि पॉलिमर मुद्रा छापने की प्रारंभिक लागत अधिक होती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताता है कि ये आर्थिक दृष्टि से बेहतर साबित होते हैं। चूंकि पॉलिमर नोट्स काफी लंबे समय तक टिकते हैं इसलिए कम संख्या में नोटों को छापना, लाना ले जाना, संसाधित करना और नष्ट करना पड़ता है। सबसे अधिक बचत छोटे मूल्यवर्ग के नोटों में होती है जो अधिक प्रचलन में रहते हैं।

इस संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया का अनुभव उल्लेखनीय है। पॉलिमर मुद्रा के मामले में अगुआ होने के नाते उसने अनुमान लगाया कि इस बदलाव से प्रतिस्थापन और हैंडलिंग लागत में कमी के कारण दीर्घकालिक बचत हुई। ऑस्ट्रेलिया के कागजी नोट पहले छोटे मूल्यवर्ग में केवल 6 से 12 महीने तक चलते थे, जबकि पॉलिमर नोट कई वर्षों तक टिके। कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और सिंगापुर जैसे देशों ने भी पॉलिमर नोट अपनाए हैं जिनका कारण टिकाऊपन, उन्नत सुरक्षा और कम जीवनचक्र लागत है। पारदर्शी विंडो और माइक्रो-ऑप्टिक तत्त्व जैसी उन्नत सुरक्षा विशेषताएं पॉलिमर नोटों को नकल के लिहाज से भी अधिक सुरक्षित बनाती हैं। पर्यावरणीय तर्क भी उतना ही प्रभावशाली है। विदेश में केंद्रीय बैंकों द्वारा किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि पॉलिमर नोट अपने जीवनकाल में कम संसाधनों का उपभोग करते हैं। इसके अलावा चलन से हटाए गए पॉलिमर नोटों को अन्य प्लास्टिक उत्पादों में पुनर्चक्रित भी किया जा सकता है।

विदेशी निवेशक अन्य कारणों से बाजार से दूर भाग रहे हैं। डॉलर बेचने और ब्याज दरें बढ़ाने के अलावा अन्य विकल्पों पर विचार करने का समय आ गया है। इनमें से एक विकल्प प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की जमा राशि बढ़ाना हो सकता है।

ब्याज दर बढ़ाना कोई समाधान नहीं है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आर्थिक सुस्ती और महंगाई के बीच, आरबीआई को ब्याज दरें बढ़ाने के बजाय एनआरआई जमा जैसे अन्य विकल्पों से विदेशी मुद्रा भंडार और रुपया संभालना चाहिए।

नीतिगत दरें तय करने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की संस्था मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस सप्ताह (3 से 5 जून) बैठक होने वाली है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की यह दूसरी बैठक होगी। बड़ा सवाल यह है कि इस बैठक से क्या निकल कर आने वाला है? अप्रैल में 5 से 8 तारीख तक एमपीसी की पहली बैठक के बाद पिछले दो महीनों में दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों ने प्रमुख नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। उस समय पश्चिम एशिया संकट को पांच सप्ताह ही हुए थे। दूसरी बैठक भी इसी संकट की छाया में हो रही है। क्या आरबीआई दुनिया के दूसरे केंद्रीय बैंकों की तर्ज पर नीतिगत दर बढ़ाएगा या अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ इंगलैंड और बैंक ऑफ कनाडा की तरह दरें अपरिवर्तित रखेगा? ये चारो केंद्रीय बैंक दर बढ़ोतरी को लेकर गहन मंथन कर रहे हैं। इन्होंने आखिरी बार जुलाई और सितंबर 2023 के बीच अपनी नीतिगत दरें बढ़ाई थीं।

एमपीसी की पिछली बैठक में रीपो दर 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखी गई थी। स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 5 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर 5.5फीसदी पर अपरिवर्तित रही। अप्रैल में एमपीसी की बैठक के दौरान 364 दिन के ट्रेजरी बिल पर यील्ड 5.63 फीसदी, तीन महीने की अवधि के बिल पर 5.3 फीसदी और 182 दिनों की अवधि के बिल पर यील्ड 5.53 फीसदी थी। एक वर्षीय सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की दर 7.1 से 7.4 फीसदी और एक वर्षीय कम?र्शियल पेपर (सीपी) पर ब्याज दर 7.4 से 7.6 फीसदी के बीच थी। मगर तब से 364 दिनों के ट्रेजरी बिल पर यील्ड बढ़कर 6.02 फीसदी, तीन महीने के बिल पर 5.56 फीसदी और 182 दिनों की अवधि के बिल पर 5.735 फीसदी हो गई है। एक वर्षीय सीडी पर दर अब 7.75 से 8.25 फीसदी और एक वर्ष के सीपी पर दर 7.6 से 8फीसदी के बीच है।तो क्या मौजूदा हालात में आरबीआई को रीपो दर बढ़ानी चाहिए? आइए, पहले कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण संकेतकों पर नजर डालें। 10

वर्ष की अवधि पर बॉन्ड यील्ड 6.90 फीसदी और 7.14 फीसदी के बीच रही है। इस दौरान अमेरिका के 10 वर्ष की अवधि के बॉन्ड और भारत के 10 वर्ष के बॉन्ड पर यील्ड के बीच अंतर 2.61 फीसदी अंक से घटकर 2.52 फीसदी अंक हो गया है। यह कमी इस क्षेत्र में विदेशी मुद्रा प्रवाह के लिए एक समस्या बन गई है। इस दौरान रुपया 8 अप्रैल को पिछली नीति के दिन डॉलर की तुलना में 92.58 के स्तर पर था। शुक्रवार को यह 94.96 के ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद 95 डॉलर पर बंद हुआ। (कुछ सप्ताह पहले एक दिन यह 96.91 के निचले स्तर पर पहुंच गया था और अंत में 96.82 डॉलर प्रति डॉलर पर बंद हुआ।) 10 अप्रैल को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक था। 22 मई को यह लगभग 681 अरब डॉलर रह गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आरबीआई द्वारा डॉलर की बिक्री और डॉलर एवं अन्य विदेशी मुद्राओं के बीच विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण आई है। विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता कम करने के लिए आरबीआई द्वारा खरीदे गए प्रत्येक डॉलर से रुपये की तरलता कम हो जाती है। तरलता संतुलित करने के लिए आरबीआई खरीद-बिक्री स्वैप करता है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार का स्तर भी ऊंचा बना रहता है। नीतिगत दर संरचना में यह विसंगति सरकारी बॉन्ड नीलामी में कट-ऑफ यील्ड में खास तौर पर दिखती है। केंद्र सरकार चार वर्ष के लिए 6.7फीसदी, सात साल के लिए 7.06 फीसदी और 30 साल के लिए 7.67 फीसदी की दर पर बाजार से उधार ले रही है। राज्य सरकारें तो इससे भी अधिक ब्याज दर चुका रही हैं। आरबीआई के लिए चुनौती इस समय रीपो दर स्थिर रखनी है। इस वर्ष फरवरी में ब्याज दर थामने और अप्रैल में यथास्थिति बनाए रखने से पहले फरवरी से दिसंबर 2025 के बीच125 आधार अंक की कटौती की गई थी। वर्ष 2019 के बाद यह सबसे आक्रामक कटौती थी। अप्रैल में एमपीसी ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी निर्णय लिया। पश्चिम एशिया में तनाव का असर लंबे समय तक हावी नहीं रहने की उम्मीदों के दम पर अप्रैल में वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, युद्ध जारी रहने की स्थिति में इसमें कमी की आशंका जताई गई थी। इसमें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर वित्त वर्ष 2027 के लिए 4.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। यह तय है कि आरबीआई जीडीपी अनुमान में कमी करेगा और मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ा देगा। क्या आरबीआई आपूर्ति में अचानक आए व्यवधान और इस दशक के सबसे कमजोर मॉनसून की आशंका के कारण मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करेगा? मेरा अनुमान है कि आरबीआई ऐसा करने से परहेज करेगा। वह सभी आंकड़ों पर नजर रखना जारी रखेगा और ब्याज दर में बदलाव करने से पहले इंतजार करेगा। चूंकि, वर्तमान रुख तटस्थ है इसलिए उसके पास कुछ न कुछ गुंजाइश तो जरूर है। इस समय चार प्रमुख चिंताएं हैं जिनमें रुपया कमजोर होना, विदेशी पूंजी की निकासी, आपूर्ति व्यवस्था में बाधा आने से ऊंची मुद्रास्फीति और कमजोर आर्थिक वृद्धि दर शामिल हैं। रुपया संभालने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए ब्याज दर बढ़ाने के बजाय आरबीआई को शायद अन्य विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है। विदेशी मुद्रा बाजार में केंद्रीय बैंक का हस्तक्षेप कारगर नहीं रहने वाला है। आक्रामक खुले बाजार संचालन के माध्यम से ब्याज दर कम करने और खरीद-बिक्री स्वैप के माध्यम से नकदी उपलब्ध कराने से घरेलू निवेशकों के लिए ऋण दरें अधिक आकर्षक नहीं रह जाती हैं जिससे वे शेयर बाजार की तरफ रुख करने लगते हैं।

जो हमें बनाये बेहतर संगत उसकी अच्छी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज का दौर सूचना क्रांति का दौर है। हम मोबाइल और कंप्युटर के जरिए देश और दुनिया के किसी भी कोने में बैठे अपने मित्र या परिजन से संवाद कर सकते हैं। यद्यपि तकनीकी दृष्टि से हम बहुत समृद्ध हो गए हैं, लेकिन अक्सर ऐसा मेहसूस होता है कि जैसे हार्दिकता का लोप होता जा रहा है। एक ही घर के अनेक सदस्य अलग अलग बैठे हैं। मोबाइल पर व्यस्त हैं। हर सदस्य की अपनी दुनिया है।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

मोबाइल के परिजन एक दूसरे को पर्याप्त समय ही नहीं दे पाते। इसलिए प्रति परिजन कुछ समय मोबाइल का मौन व्रत अपेक्षित है। जहां तक करियर का प्रश्न है,युवा साथियों को लक्ष्य पाने के लिए समयबद्ध नियोजित ढंग से कार्य करना होगा। जीवन में ऊंचाइयां हासिल करने के लिए ऐसे कार्यक्षेत्र और व्यक्तियों का चयन करना चहिए, जो आपको प्रेरित करते रहें।शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक सक्रियता से ही जीवन में निखार सम्भव है। स्वयं के निर्माण पथ पर

जागरूक जनता विश्वसनीय हिन्दी अखबार
आखरआखर झरे उजियार

चलने वाले पथिक को यह भली प्रकार समझ लेना चाहिए कि असम्भव में सम्भव छुपा है। असुविधा में सुविधा निहित है। उस अंतर्निहित सम्भव और सुविधा को देखने के लिए एक दृष्टि चाहिए, एक नजरिया चाहिए। वास्तव में ऐसे दृष्टि सम्पन्न लोग ही विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने में सक्षम होते हैं। दृष्टिकोण में सुधार के साथ ही अच्छी संगत चाहिए। अच्छी संगत जीवन में रंगत लाती है।

अच्छी संगत हमें अपने आपको बेहतर बनाने की प्रेरणा देती है।केवल अच्छे व्यक्ति ही नहीं, अच्छी किताबें भी हमारी अच्छी दोस्त साबित हो सकती है। जीवन को निरन्तर सत्यम शिवम और सुन्दरम की साधना में लगाए रहना है। स्वामी शिवानंद कहा करते थे कि निश्चयपूर्वक विवेक कीजिए, विकासपूर्वक विस्तार कीजिए और जिज्ञासापूर्वक अनुसन्धान कीजिए।

शादी या समझौता: मरी हुई नहीं तलाकशुदा बेटी बेहतर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हाल ही में अलग-अलग राज्यों में हुई घटनाओं में विवाहिताओं की मौत के दिल दहलाने वाले मामले सामने आए हैं, जिन्होंने न सिर्फ इन राज्यों बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। नोएडा की दीपिका नागर, भोपाल की ट्विशा शर्मा और जयपुर की अनु मीणा के केस प्रताड़ना, उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोपों के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं। दीपिका और ट्विशा को लेकर आत्महत्या या हत्या की गुत्थी उलझी है और देश बेटियों को न्याय की मांग कर रहा है। पुलिस और कानून भी अपनी पेचीदगियों से मामलों के हर पक्ष की जांच में जुटे हैं। इसी बीच हाल ही में सुपीम कोर्ट में ट्विशा शर्मा संदिग्ध मानले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की है कि माता पिता के लिए नैतिक रूप से यह बेहतर है कि "उनकी बेटी का तलाक हो जाए बजाय इसके कि उनकी बेटी की मृत्यु हो जाए"। संवेदनशील मुद्दे पर छिड़ी बहस के बीच यहां सवाल ये भी है कि शादी के इतने कम समय में मामलों में रिश्ते ही ये भयावह तस्वीर क्यो सामने आई? क्या इस रिश्ते के लिए कहे जाने वाले शब्द एडजस्टमेंट (समझौता) के दबाव में ये जिंदगियां हार गईं। अगर ऐसा है तो एडजस्टमेंट के बोझ में शादी के बाद डोली से अर्थी में श्मशान तक का ये सफर आखिर कब तक और क्यो? आखिरकार ये पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत की तरह चला आ रहा एडजस्टमेंट शब्द इक्कीसवीं सदी में भी शादी जैसे बंधन पर भारी क्यों है? असल में ट्विशा और दीपिका हमारे प्रबुद्ध समाज और उनमें पल रही करोड़ों बेटियों के वे चेहरे हैं, जो शादी के बाद खुशहाल जिंदगी के सपने संजोती हैं। दोनों ही पढ़ी-लिखी, समझदार और अपने पैरों पर खड़ी होने वाली

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बेटियों को केवल शादी के लिए तैयार करने के बजाय उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। बेटी के परिवार को अब यह समझना होगा कि मरी हुई बेटी से ज्यादा तलाकशुदा बेटी अच्छी है। जिंदगी से बढ़कर कुछ भी नहीं है। जीवन रहेगा तो आगे और भी रास्ते निकल सकते हैं।

होनहार लड़कियां थीं। इनमें दीपिका की शादी यूपी में ही धूमधाम से की गई थी, जबकि ट्विशा की शादी एक डेटिंग ऐप पर मुलाकात से हुई। दोनों के परिजनों ने मीडिया में दिए बयानों में कहा है कि शादी पूरे रीति-रिवाज और दान-दहेज देकर की गई थी। कुछ समय तो ठीक था, लेकिन बाद में उनकी बेटियों को परेशान और प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार बेटियों ने अपनी परेशानी भी घरवालों से साझा की, लेकिन तब नई शादी और नए माहौल में एडजस्टमेंट करने की समझाइश की जाती रही। ससुराल पक्ष का भी यही कहना रहा कि उनकी बेटियों का रवैया और रहन-सहन अलग था, जिससे परिवार में झगड़े होने लगे थे। परिणामस्वरूप इस तालमेल और सामाजिक दबाव के डर में दोनों बेटियों की मौत हो गई।

वहीं जयपुर की अनु मीणा तो अपनी शादी के ग्यारह साल सिर्फ अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए झेलती रही। इस उम्मीद में कि शायद कभी सब ठीक होगा, लेकिन उसका सालों का समझौता भी आखिर में उसे मौत तक खींच ले गया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, देश में हर साल दहेज के कारण 6,000 से अधिक महिलाओं की मौत हो जाती है। मतलब हर 90 मिनट में एक महिला दहेज की बलि चढ़ जाती है। वर्ष 2024 में दहेज हत्या के तहत 5,737 मामले दर्ज किए गए। दहेज हत्या के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश (2,038), बिहार (1,078) और मध्य प्रदेश (450) से सामने आए हैं। वहीं पति और ससुराल वालों द्वारा क्रूरता के तहत सालाना 1 लाख 20 हजार से अधिक मामले दर्ज होते हैं। ये हालात तब हैं, जब ऐसे मामलों में दोषियों को कम से कम सात साल की सजा या आजीवन कारावास का भी प्रावधान है।

भारतीय समाज में शादी में एडजस्टमेंट के नाम पर बेटियों को गंभीर घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और दहेज उत्पीड़न सहने के लिए मजबूर करना एक ऐसी सामाजिक विफलता है, जो अक्सर बेटियों की असामयिक मौत या आत्महत्या का कारण बनती है। ट्विशा शर्मा और दीपिका जैसी कई शिक्षित बेटियों की दुखद मौतों ने इस गंभीर मुद्दे पर देशव्यापी बहस छेड़ दी है। हालांकि वैवाहिक मामलों (दहेज उत्पीड़न व घरेलू हिंसा) में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पत्नी को ससुराल में एडजस्ट (सामंजस्य बिठाने) करने की सलाह देना अपने आप में क्रूरता या उत्पीड़न नहीं माना जा सकता। कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पीड़न के पुख्ता सबूत अनिवार्य हैं, लेकिन अदालत का संदेश यह भी है कि विवाह में आपसी सामंजस्य जरूरी है। एडजस्टमेंट की आड़ में महिलाओं के साथ होने वाली गंभीर शारीरिक या मानसिक क्रूरता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शादी कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे सिर्फ एक पक्ष (विशेषकर स्त्री) के दम पर जबरदस्ती खींचकर जिंदा रखा जाए। शादी दो लोगों की बराबरी की साझेदारी है। जब समाज बेटियों को हिंसा सहकर भी घर बसाए रखने का दबाव बनाता है, तो वह अनजाने में अपराधियों का हौसला बढ़ाता है और बेटियों को मौत के मुंह में धकेल देता है। रिपोर्ट पर चर्चा में कहा गया है कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, जिसमें शादी दो लोगों की साझेदारी है, लेकिन अगर रिश्ता टॉक्सिक हो जाए या प्रताड़ना का कारण बन जाए, तो उसे जबरन ढोने की जरूरत नहीं है। चर्चा में दिल्ली, नोएडा, भोपाल और लखनऊ में महिलाओं द्वारा उठाए गए जानलेवा कदमों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में भावुक शब्दों में कहा गया है कि 'हम इस बहस में न पड़ें कि? इनकी जान ली गई या इन्होंने जान दी।

ओपिनियन

वेदों की ओर लौटो- जिस नारे ने सोते हुए भारत को झकझोर दिया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अ वेदों की ओर लौटो - जिस नारे ने सोते हुए भारत को झकझोर दिया!
अन्य लोगों ने कहा 'सुधार करो', दयानंद ने कहा जड़ से बदलो, इसलिए उन्हें 'नवजागरण का मार्टिन लूथर'- कहते हैं।

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय नवजागरण क्या था

- 19वीं सदी, 1800-1900 यानिं 1000 साल की गुलामी, कुरीतियों, अंधविश्वास में डूबे भारत में तर्क, विज्ञान, स्वाभिमान और सुधार की लहर।
- इसके कारण अंग्रेजी शिक्षा, प्रिंटिंग प्रेस, राजा राममोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे सुधारकों ने सवाल पूछना सिखाया "अगर हमारा धर्म महान है तो सती, बाल-विवाह, छुआछूत क्यों?"
- नवजागरण से तात्पर्य पश्चिम की नकल नहीं, भारत की जड़ों से नया पेड़ उगाना।
- नवजागरण के क्रांतिकारी सन्यासी स्वामी दयानंद सरस्वती जिनका जन्म 12 फरवरी 1824 टंकारा

मोरबी गुजरात में हुआ उनका मूल नाम मूल शंकर तिवारी जिन्होंने 14 साल की उम्र में शिवरात्रि पर देखा कि चूहा शिवलिंग पर चल रहे हैं उनके मन में सवाल उठा की कैसा भगवान जो खुद की रक्षा ना कर सके घर से वैराग्य की ओर मथुरा में बिरजानंद दंडी गुरु का आश्रय पाया जो की आंखों से लाचार थे पर ज्ञान के सूरज गुरु दक्षिणा मांगी आज्ञा मिटाओ, वेद का प्रचार करो। वेश्या गण का विरोध करने पर स्वामी जी को जोधपुर महाराज के रसोईया ने जहर दे दिया जिससे 30 अक्टूबर 1883 को उनकी मृत्यु हो गई।

नवजागरण की दिशा में दयानंद सरस्वती के पांच बड़े कार्य- स्वदेशी

- 10 अप्रैल 1875 को मुंबई में आर्य समाज की स्थापना के साथ 10 नियम बनाए , पहले नियम - सब सत्य विद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं उन सब का आदिमूल परमेश्वर है। इसका मकसद जाति मूर्ति अवतार बाद पुराण की गप्प से मुक्त वैदिक धर्म।
- हिंदी में लिखी हिंदू बम 1875 में सत्यार्थ प्रकाश, 14 समुल्लास। वेद को छोड़ सब ग्रंथन की आलोचना पुराण, कुरान, बाइबल, जैन ग्रंथ ,मूर्ति पूजा, फलित ज्योतिष, मृतक श्रद्धा को पाखंड कहा। जिसका असर लाखों युवा तर्कशील बने भगत सिंह लाला लाजपत राय इस किताब से प्रेरित थे।
- शुद्धि आंदोलन जिसके द्वारा जो हिंदू मुसलमान ईसाई बन गए थे उन्हें वापस लाने का अभियान जारी किया एवं नारा दिया- धर्म परिवर्तन तलवार से नहीं तर्क से रोको जिसका असर लाखों की घर वापसी हुई पहली बार हिंदू धर्म डिफेंस से ऑफेंस पर आया।
- सामाजिक क्रांति के क्षेत्र में जाति विरोध जन्म से नहीं कम से ब्राह्मण वेद सबके लिए शुद्ध भी पढ़ें नारी शिक्षा कन्या गुरुकुल खोल वहीं "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते" को व्यवहार में लाए। बाल विवाह पर रोक रोक लगाते हुए लड़की की आयु 16 वर्ष लड़के की आयु 25 वर्ष से पहले शादी ना करें। विधवा विवाह का समर्थन करते हुए स्वयं द्वारा विधवा विवाह करवाई गई। गौ रक्षा, स्वदेशी गाय, अर्थव्यवस्था विदेशी कपड़े का बहिष्कार गांधी जी से 40 साल पहले 1890 में ही शुरू कर दिया।
- मेरी भाषा आर्य भाषा हिंदी है स्वयं गुजराती थे फिर भी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का नवजागरण करते हुए सत्यार्थ प्रकाश हिंदी में लिखा ताकि आम आदमी पढ़ सके इस तरह से नवजागरण को जन आंदोलन बनाया।

नवजागरण में दयानंद की अलग जगह क्यों?

- स्वामी दयानंद के अलावा अन्य सुधारक अन्य सुधारक -
- राजा राममोहन राय, पश्चिम से प्रेरणा, ब्रह्म समाज - वेद से प्रेरणा।
- भारत का समाधान भारत में ही है।
- विद्यासागर- समाज सुधार, पर धर्म पर नरम,धर्म पर चोट: मूर्तिपूजा पाप है! - सबसे कट्टर स्टैंड,
- विवेकानंद- वेदांत, सब धर्म समान-वैदिक एकेश्वरवाद,
- वेद ही अंतिम प्रमाण"- बाकी सब की आलोचना,
- यानी-बाकी लोगों ने कहा 'सुधार करो', दयानंद ने कहा जड़ से बदलो, इसलिए उन्हें-'नवजागरण का मार्टिन लूथर'- कहते हैं।

आलोचना भी हुई

- कट्टरता,इस्लाम-ईसाईयत पर तीखा हमला - कईयों को पसंद नहीं।
- मूर्ति-भंजक भावुक हिन्दू नाराज हुए।
- वेद की अपनी व्याख्या परंपरागत पंडितों ने विरोध किया।

पर दयानंद बोले- "मैं सत्य का पक्षधर हूँ, व्यक्ति का नहीं"।

विरासत आज भी जिंदा

- DAV स्कूल-कॉलेज- 900+ संस्थान। 20 लाख छात्र। भगत सिंह, लाला हंसराज DAV से।
- राजनीति-- लाला लाजपत राय, स्वामी श्रद्धानंद, रामप्रसाद बिस्मिल - सब आर्य समाजी।
- स्वतंत्रता आंदोलन--"स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" तिलक का नारा दयानंद की सोच से निकला।
- संघ-विचार: हेडगेवारजी आर्य समाज से प्रभावित। "संगठन, शुद्धि, स्वदेशी"- आज भी आरएसएस के मूल में।

नवजागरण का सबक 2026 के लिए

स्वामी दयानंद जी ने 150 साल पहले जो कहा, आज भी उतना ही सच:-

- अंधविश्वास छोड़ो- बाबा-चमत्कार नहीं, विज्ञान + वेद।
- शिक्षा सबको- बेटी पढ़ेगी तभी देश गढ़ेगी।
- स्वाभिमान -"अपना धर्म, अपनी भाषा, अपना उत्पादन" मेक इन इंडिया का पहला नारा।
- सवाल पूछो-- शिवलिंग पर चूहा देखकर 14 साल का लड़का पूछ सकता है, तो हम क्यों नहीं?
- स्वामी जी का अंतिम शब्द- चिता पर लेटे हुए माफी मांगी उस रसोइए को जिसने जहर दिया, उसे बचा लो राजा। यही वैदिक धर्म था - क्षमा + क्रांति।
- नवजागरण रुका नहीं है---
- हर बार जब आप दहेज न लो, बेटी को स्कूल भेजो, पाखंड को ना कहो - दयानंद फिर जिंदा होते हैं।

पंचांग

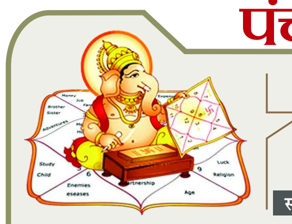

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 03/06/2026

सूर्योदय : 05:36 **सूर्यास्त** : 19:13 **चन्द्रोदय** : 22:00 **चन्द्रास्त** : 07:35 **शक सम्वत** : 1948 पराभव**विक्रम सम्वत** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : वैशाख **पूर्णिमांत** : ज्येष्ठ **सूर्य राशि** : वृषभ **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : तृतीया, 21:20 तक **वार** : बुधवार **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण **द्रिक-वैदिक ऋतु** : ग्रीष्म **कलियुग** : 2127 वर्ष।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 24:51 तक
योग : शुभा, 08:03 तक
प्रथम करण : वणिजा, 08:12 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 21:20 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:38 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:14 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:15 पी एम से
अमृत काल	07:37 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:59 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : मंगल
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:36 - 07:18	उद्वेग : 19:12 - 20:30
अमृत	: 07:18 - 09:00	शुभ : 20:30 - 21:48
काल काल वेला	: 09:00 - 10:42	अमृत : 21:48 - 23:06
शुभ	: 10:42 - 12:24	चर : 23:06 - 00:24
रोग वार वेला	: 12:24 - 14:06	रोग : 00:24 - 01:42
उद्वेग	: 14:06 - 15:48	काल : 01:42 - 03:00
चर	: 15:48 - 17:30	लाभ : 03:00 - 04:17
लाभ	: 17:30 - 19:12	उद्वेग : 04:17 - 05:35

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, तृतीया, 2083 बुधवार, 3 जून - 9 जून, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्य सचिव ने केंद्रीय मंत्रालयों के साथ हुई बैठकों के निष्कर्षों पर विभागों को दिए आवश्यक निर्देश

'राजस्थान विकास मॉडल' और नवाचारों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'राजस्थान विकास मॉडल' और नवाचारों की देशभर में सराहना हो रही है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की गत दिनों नई दिल्ली में विभिन्न मंत्रालयों के आला अधिकारियों के साथ हुई बैठक में सभी ने इस मॉडल की सराहना की है। अब मुख्य सचिव ने राज्य के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं कि विकास व व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को और अधिक गति के साथ लागू करें।

मुख्य सचिव ने सचिवालय में आयोजित बैठक में कहा कि प्रदेश में ग्राम विकास चौपाल, ग्राम रथ अभियान, मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान, चंदन वन, माय भारत एवं राज उन्नति जैसी राज्य सरकार की पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के रूप में पहचान मिली है। उन्होंने बताया कि कई राज्यों द्वारा इन पहलों के क्रियान्वयन में रुचि भी दिखाई गई है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार के इन नवाचारों का प्रभावी डॉक्यूमेंटेशन करने तथा सफलता की कहानियां तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में एचआरआरएल रिफाइनरी परियोजना के शीघ्र लोकार्पण, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क विस्तार तथा वैकल्पिक ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने संबंधी कार्यों में प्रगति लायी जाए। साथ ही, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ समन्वय करते हुए आगामी 30 जून तक 43 हजार पाइप्ड गैस कनेक्शन लाइव करने की दिशा में कार्य में भी प्रगति लाए । बैठक के दौरान सेम्बकॉर्प समूह द्वारा दौसा जिले के बांदीकुई क्षेत्र में प्रस्तावित मॉडल औद्योगिक पार्क परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने उद्योग विभाग को निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा खान एवं पेट्रोलियम विभाग को परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। डीरिग्यूलेशन एवं कम्प्लायंस रिडक्शन से संबंधित राजस्थान की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट को राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के रूप में सराहा गया है, इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाये। मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में प्राचीन ग्रंथों एवं पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन तथा संरक्षण के संबध में ज्ञान भारतम् मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए विशेष प्राथमिकता वाला विषय है। उन्होंने कला एवं संस्कृति विभाग, संस्कृत शिक्षा विभाग तथा प्राच्य भाषा निदेशालय को मिशन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रदेश में खनिज अन्वेषण, नीलामी प्रक्रिया, प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस एवं यूनिफाइड माइनिंग पोर्टल से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। राज्य सरकार द्वारा पेयजल, स्वच्छता, सिंचाई परियोजनाएं तथा ऊर्जा क्षेत्र सुधारों से जुड़े विषयों में अतिरिक्त ऋण सीमा के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में राजस्थान की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में बालोतरा-पाचपदरा पाइपलाइन रेल लाइन कनेक्टिविटी से जुड़े लंबित विषयों पर विशेष चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने खान एवं पेट्रोलियम विभाग को रेल मंत्रालय, जिला प्रशासन एवं संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय कर लंबित विषयों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

मुख्य सचिव ने बैठक में केन्द्रीय गृह मंत्री के राजस्थान दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों की पालना की समीक्षा की। उन्होंने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती गांवों में 4जी कनेक्टिविटी एवं सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि आगामी नवंबर तक सभी वाइब्रेंट गांवों में 4जी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग को वास्तविक गैप का सत्यापन कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में आधार आईडी के 100 प्रतिशत सत्यापन से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्य आगामी अक्टूबर तक पूर्ण किया जाये।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री सप्त क्रांति ट्रस्ट की प्रेरणा से सम्पन्न हुआ नशा मुक्ति कार्यक्रम

जयपुर @ जागरूक जनता। 13 सितंबर, 1998 से प्रारंभ किये गये व्यसन-मुक्ति आंदोलन के तहत पिछले 28 वर्षों से नियमित विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर व्यसन मुक्त समाज के निर्माण हेतु कलेक्ट्रेट सर्किल पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशा-मुक्ति परामर्श केंद्र स्थापित कर लोगों को नशा छोड़ने के विभिन्न उपाय भी बताए गए। विभिन्न संस्थाओं से धर्मवीर कटेवा सचिव इंडियन अस्थमा केयर सोसाइटी, ढाकाराम योगा पीस संस्थान, सवाई सिंह समग्र सेवा संघ, लोकचंद व्यवस्थापक पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान, कौशल सत्यार्थी मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, नरेंद्र सिखवाल रोटरी क्लब आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। इसके साथ ही अन्य संस्थाएं राजस्थान जन मंच, श्री अरविंद सोसायटी, पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान मुरलीपुरा, गांधी फाउंडेशन, श्री संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट, राजस्थान समग्र सेवा संघ, द बार एसोसिएशन जयपुर, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन जयपुर, मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति, CUTS International, राष्ट्रीय बजरंग सेना, गौ क्रांति मंच, नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी ने भी इस पुनीत कार्य में कंधे से कंधा मिल कर सहयोग किया।

व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को सरोज कुमारी केदारनाथ व्यंग्य पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को श्री हिंदी पुस्तकालय समिति, डीग द्वारा सरोज कुमारी केदारनाथ माहेश्वरी हिंदी भाषा व्यंग्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत उन्हें सम्मान के साथ 11 हज़ार रुपए की राशि अर्पित की जाएगी। श्री हिंदी पुस्तकालय समिति डीग, उत्तर भारत की लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था है। संस्था द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर साहित्य की विभिन्न विधाओं के लेखकों को 27 जुलाई को अपने सौ वें स्थापना दिवस पर डीग (भरतपुर) में आयोजित समारोह में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। समिति के प्रधान मंत्री कृष्ण कुमार मुदगल, साहित्य मंत्री एवं संयोजक सुरेन्द्र शर्मा 'सार्थक', एवं सभापति मानसिंह यादव की उपस्थिति में इन पुरस्कारों की घोषणा रविवार को की गई। व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी के अब तक सात व्यंग्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। विगत अनेक सालों से उनके व्यंग्य देश प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे हैं। अनेक यूट्यूब चैनल पर उनके व्यंग्य प्रसारित होते रहे हैं। बॉक्स एफएम रेडियो पर उनका लोकप्रिय कार्यक्रम- व्यंग्य के रंग- प्रभात के संग में देश के सुपरिचित व्यंग्यकारों से साक्षात्कार प्रसारित हो चुके हैं। इसके साथ ही गोस्वामी क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मैचों में आकाशवाणी से कमेंट्री कर चुके हैं।

बाल संस्कार शिविर का भव्य समापन समारोह संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा स्कीम एवं भारतीय सिंधु सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बाल संस्कार शिविर का भव्य समापन समारोह आज झूलेलाल मंदिर, मुरलीपुरा स्कीम प्रांगण में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। 17 से 30 मई तक संचालित इस शिविर में 43 बच्चों ने सहभागिता की। शिविर के दौरान बच्चों को सिंधी सभ्यता, संस्कृति, सिंधी भाषा, पारंपरिक पहनावा, खान-पान, सिंधी संतों तथा सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झूलेलाल के जीवन एवं आदर्शों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही समाज के इतिहास एवं संस्कारों से भी अवगत कराया गया। समापन समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सिंधी गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी ने सराहना की। इस अवसर पर सिंधी समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. कैलाश शिवलानी, हीरालाल तोलानी, हरीश असरानी, दीवान मुरली दरयानी, लालचंद हीरामानी, कन्हैयालाल लखवानी दादी का फाटक अध्यक्ष राजेश आहूजा निवारू अध्यक्ष भागचंद साहनी मुख्य संरक्षक गौरीशंकर पंजवानी सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं मुखीगण शामिल रहे।आगंतुक अतिथियों का स्वागत संस्था के मुख्य संरक्षक छब्बलदास नवलानी, अध्यक्ष पंकज रायचंदानी, कोषाध्यक्ष विनोद रामचंदानी, अशोक उत्तमचंदानी, निर्मल मेघवानी, शिविर प्रभारी वर्षा लखवानी एवं परमानंद तिलोकानी द्वारा दुपट्टा एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई तथा प्रेरणादायी संदेश दिए गए।

अंत में संस्था के महा सचिव ने उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों, सहयोगकर्ताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए बाल संस्कार शिविर के सफल समापन की घोषणा की।

विश्व व्याप्त नशा व्यसन मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नशा व्यसन मुक्त समाज के निर्माण हेतु कलेक्ट्रेट सर्किल पर प्रातः 7.00 बजे से 12.00 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ युवाओं के द्वारा नशा मुक्ति के नारे एवं गीत गाते हुए नशा मुक्ति रैली के साथ हुआ। व्यसन मुक्त समाज के निर्माण में पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु सद्बुद्धि गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें सभी अतिथियों एवं परिजनों भाग लेकर आमजन को सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। नशा-मुक्ति परामर्श केंद्र स्थापित कर लोगों को नशा छोड़ने के विभिन्न उपाय भी बताए गए। समाज को नशा मुक्त करने के लिए यदि नशेड़ियों की नई भर्ती पर भी रोक गया दी जाए तो इससे भी नशा करने वालों की संख्या में भारी कमी आ सकती है। इसी उद्देश्य से हस्ताक्षर बोर्ड पर 'नशा नहीं करने के संकल्प' के साथ राहगीरों एवं कार्यक्रम में शामिल लोगों के हस्ताक्षर कराये गए।

विभिन्न संस्थाओं से धर्मवीर कटेवा सचिव इंडियन अस्थमा केयर सोसाइटी, ढाकाराम योगा पीस संस्थान, कमल लोचन सचिव राजस्थान जनमंच, रमेश गांधी गांधी फाउंडेशन से, लोकचंद जी व्यवस्थापक पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान, नगेंद्र वशिष्ठ वरिष्ठ समाजसेवी, कौशल सत्यार्थी मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, नरेंद्र सिखवाल रोटरी क्लब, अमरदीप जी कट्स संस्था आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। वर्तमान समय की नशीली दवाओं की समस्या के प्रति आगाह किया तथा आने वाले समय में विद्यालयों में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशों विशेष कर नशीले दवाओं की प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया। साथ ही, अन्य संस्थाएं राजस्थान जन मंच, अरविंद सोसायटी, पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान मुरलीपुरा, गांधी फाउंडेशन, संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट, राजस्थान समग्र सेवा संघ, द बार एसोसिएशन जयपुर, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन जयपुर, मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान, राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति, CUTS International, राष्ट्रीय बजरंग सेना, गौ क्रांति मंच, नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी ने भी इस पुनीत कार्य में कंधे से कंधा मिल कर सहयोग किया।

पानी की समस्या से मिली निजात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधाधर नगर जगदम्बा कॉलोनी नया खेड़ा में पानी की किल्लत को देखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा वार्ड 16 में नए बोरिंग का निर्माण करवाकर उसकी सप्लाई कॉलोनी की पाइपलाइन में जुड़वाकर पानी की समस्या से निजात दिलवाया। कॉलोनीवासियों को जल की आपूर्ति के लिए विशेष कार्य वार्ड में किये जा रहे है। वार्ड 16 निवर्तमान पार्षद प्रेम देवी शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा, उपाध्यक्ष शेखर शर्मा व पूर्व मन्दिर सचिव नवरतन सिंह इस पुण्य कार्य मे मौजूद रहे।

जेके लोन अस्पताल में रोटरी क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

जयपुर @ जागरूक जनता। रोटरी क्लब के माध्यम से जेके लोन अस्पताल के पीडियाट्रिक रोड कार्डियक डिवीजन के द्वितीय तल पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। नर सेवा नारायण सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब के पदाधिकारी संजय अग्रवाल जी के सानिध्य में 100 यूनिट से ऊपर कलेक्शन हुआ है पी सी टी वी एस यूनिट के प्रभारी मीना नायर व अशोक कुमार गुप्ता एवं पूजा मिश्रा के साथ सहयोगी कर्मचारी नर्सिंग अधिकारी संजय कुमार बैरवा ,गोकुल राम गुर्जर रश्मि देवी राजीव यादव एवं प्रेम बुनकर,अरविंद वर्मा ने सहयोग किया ,भंवर शर्मा,भूपेंद्र शर्मा ने भी सहयोग के साथ रक्तदान करके रक्तदान महादान को बढ़ावा दिया ।

दिल्ली बुडोकन कराटे एसोसिएशन टीम केआईओ नेशनल चैंपियनशिप में खेलेगी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। दिल्ली बुडोकन कराटे एसोसिएशन की टीम के आई ओ नेशनल चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 3 जून से 7 जून तक देहरादून में आयोजित की जाएगी। टीम में युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगे जो पिछले कई महीनो से कड़ी मेहनत और अभ्यास कर रहे हैं। टीम के कोच नितिन सर के मार्गदर्शन में सभी खिलाड़ियों ने अपनी पूरी तैयारी करली है। राजधानी दिल्ली के कराटे प्रेमियों ने इस टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राजस्थान में ऊंची इमारतों का रास्ता साफ, भवनों की ऊंचाई पर लगा प्रतिबंध हटा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान में अब ऊंची इमारतों के निर्माण का रास्ता काफी हद तक साफ हो गया। राज्य सरकार ने मॉडल भवन विनियमों (मॉडल बिल्डिंग बायलॉज) में बड़ा बदलाव करते हुए भवनों की ऊंचाई पर वर्षों से लागू प्रतिबंधों को हटा दिया है। अब किसी शहर में उपलब्ध फायर लेडर (अग्निशमन सीढ़ी) की ऊंचाई ही भवन स्वीकृति का अंतिम आधार नहीं होगी। किसी भवन में निर्धारित अग्निशमन सुरक्षा प्रावधान, आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम और अन्य तकनीकी मानकों की पूर्ण पालना की गई है तो उसे अधिक ऊंचाई तक निर्माण की अनुमति मिल सकेगी। शहरी विकास एवं आवास विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में इस पर सहमति बन गई है।

जल्द ही इसके आदेश जारी हो सकते हैं। सरकार के इस फैसले को प्रदेश के रियल

एस्टेट, आवासीय और व्यावसायिक निर्माण क्षेत्र के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है। लंबे समय से डेवलपर्स और निवेशक भवन ऊंचाई से जुड़े प्रतिबंधों को सरल करने की मांग कर रहे थे। नए संशोधनों के बाद अब जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा सहित प्रदेश के अन्य शहरों में भी बड़े हाईराइज प्रोजेक्ट्स को गति मिलेगी।

अब तक फायर लेडर तय करती थी इमारत की ऊंचाई

राजस्थान में अब तक भवन निर्माण की स्वीकृति काफी हद तक अग्निशमन विभाग की उपलब्ध फायर लेडर क्षमता पर निर्भर थी। जिस शहर में जितनी ऊंचाई तक फायर लेडर पहुंच सकती थी, सामान्य रूप से उसी सीमा तक भवनों को मंजूरी दी जाती थी। इससे जयपुर में लगभग 70 मीटर तथा उदयपुर और जोधपुर जैसे शहरों में करीब 60 मीटर तक ऊंचाई वाले भवनों की स्वीकृति संभव थी। इससे अधिक ऊंचाई वाले प्रोजेक्ट्स के सामने कानूनी और तकनीकी बाधाएं खड़ी हो जाती थी। 20 जनवरी 2020 के बाद लागू प्रावधानों और फायर एनओसी व्यवस्था ने भी भवन ऊंचाई संबंधी सीमाओं पर रोक लग गई थी। कई बड़े निवेश, प्रोजेक्ट और आधुनिक हाईराइज परियोजनाएं आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

अब क्या बदला है?

राज्य सरकार ने मॉडल भवन विनियमों में संशोधन करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि भवन की ऊंचाई निर्धारित करने का आधार केवल फायर लेडर नहीं होगा। अब भवन की वास्तविक अग्निशमन सुरक्षा क्षमता, सड़क की चौड़ाई, भूखंड का आकार, भवन डिजाइन और अन्य तकनीकी मापदंडों को भी महत्व दिया जाएगा। यदि किसी भवन में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राष्ट्रीय मानकों और निर्धारित अग्निशमन सुरक्षा नियमों के अनुरूप सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं मौजूद हैं, तो उसे अधिक ऊंचाई तक निर्माण की अनुमति दी जा सकेगी। इसके तहत स्प्रिंकलर सिस्टम, फायर अलार्म सिस्टम, स्मोक मैनेजमेंट, फायर एस्केप, आपातकालीन निकास, जल भंडारण व्यवस्था और अन्य आधुनिक सुरक्षा उपायों को अनिवार्य रूप से लागू करना होगा।

14 सितंबर 2023 के आदेश को किया प्रभावी

राज्य सरकार ने 14 सितंबर 2023 को जारी आदेश की भावना के अनुरूप मॉडल भवन विनियमों में संशोधन लागू किया है। यह निर्णय केंद्र सरकार की कम्प्लायंस रिडक्शन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति के अनुरूप माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य निर्माण स्वीकृतियों में लगने वाले समय को कम करना, अनावश्यक नियमों को सरल बनाना और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

रियल एस्टेट सेक्टर को मिलेगी उड़ान

इस फैसले का सबसे बड़ा लाभ रियल एस्टेट और शहरी विकास क्षेत्र को मिलेगा। प्रदेश के बड़े शहरों में भूमि की उपलब्धता सीमित होती जा रही है। ऐसे में ऊंची इमारतों का निर्माण ही बढ़ती आबादी और व्यावसायिक जरूरतों का व्यावहारिक समाधान हो सकेगा।

नए नियम लागू होने से यह होगा फायदा

» हाईराइज आवासीय परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा
» बड़े व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग प्रोजेक्ट विकसित हो सकेंगे
» निजी निवेश आकर्षित होगा
» निर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ेगा
» शहरी भूमि का बेहतर उपयोग हो सकेगा
» स्मार्ट सिटी और आधुनिक शहरों के विकास को गति मिलेगी
» आवास और वाणिज्यिक स्पेस की उपलब्धता बढ़ेगी

दूसरे राज्यों के बराबर पहुंचेगा राजस्थान

रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि देश के कई राज्यों में पहले से ही सड़क चौड़ाई, भूखंड क्षेत्रफल और फायर सेफ्टी मानकों के आधार पर ऊंची इमारतों को स्वीकृति दी जा रही है। राजस्थान में फायर लेडर आधारित प्रतिबंधों के कारण कई मामलों में विकास की गति प्रभावित हो रही थी। अब नए नियम लागू होने के बाद प्रदेश के शहर भी महानगरों जैसे विकसित शहरी मॉडलों की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे, जहां भवन ऊंचाई का निर्धारण आधुनिक सुरक्षा मानकों और तकनीकी मापदंडों के आधार पर किया जाता है।

जयपुर की हिंगोनिया गौशाला की तर्ज पर विकसित होगा कांजी हाउस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर अजमेर स्थित कांजी हाउस को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित गौसंरक्षण केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रस्तावित योजना के तहत कांजी हाउस को जयपुर की प्रसिद्ध हिंगोनिया गौशाला की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे गौसेवा एवं गौसंरक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। अक्षयपात्र फाउंडेशन इसकी व्यवस्थाएं संभालेगा। देवनानी ने इस संबंध में अक्षयपात्र फाउंडेशन के प्रतिनिधियों, नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों तथा संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की पहल की है। इसी क्रम में उन्होंने अक्षयपात्र फाउंडेशन के प्रबंधकों, नगर निगम अजमेर के प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ तथा आयुक्त नित्या के. से चर्चा कर कांजी हाउस के संचालन एवं विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। प्रस्ताव के अनुसार अक्षयपात्र फाउंडेशन को कांजी हाउस के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच शीघ्र ही एमओयू होने की संभावना है। इसके लिए नियम एवं शर्तों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अक्षयपात्र फाउंडेशन की टीम ने हाल ही में कांजी हाउस का निरीक्षण भी किया तथा वहां उपलब्ध संसाधनों, व्यवस्थाओं और विकास की संभावनाओं का आकलन किया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियानः शील की डूंगरी बांध पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को जन आंदोलन बनाने का किया गया आह्वान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार के महत्वाकांक्षी "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026" के अंतर्गत शील की डूंगरी बांध पर जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जन-जागरूकता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 100 ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भुवन भास्कर रहे। उनके नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जल पूजन के साथ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य जल अर्घ्य, कैलाश यात्रा, जल पर चुनरी अर्पण एवं सामूहिक जल शपथ जैसे आयोजनों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जन-जागरण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं जनभागीदारी आधारित जल प्रबंधन को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी से जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान बांध परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। उपस्थित ग्रामीणों एवं अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण तथा जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास करने का संदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत राज्यभर में जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शील की डूंगरी बांध पर आयोजित यह कार्यक्रम जनभागीदारी आधारित जल संरक्षण प्रयासों का प्रेरणादायी उदाहरण है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि गोपाल शर्मा, अधिशासी अभियंता अनिल थालोर, सहायक अभियंता अनुराधा चौधरी, चाकसू नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जेके सीमेंट ने पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। सीमेंट द्वारा आयोजित पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह के तहत यदुपति सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, निंबाहेड़ा में युवा विद्यार्थियों और समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढाने के उधेश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह के शुभारम्भ पर तकनीकी राजेश सोनी ने पर्यावरण सरक्षण के लिए सभी की भागीदारी एवं सकरात्मक प्रयास का आह्वान करते हुवे कहा की यदि हम अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक वस्तुओ, बैग इत्यादि का उपयोग न्युनतम करे और पेड़ लगाकर उसे बड़ा करे तो यह भी पर्यावरण सरक्षण के लिए हमारी और से एक बड़ा योगदान होगा। इस अवसर पर पर्यावरण सरक्षण के उद्घोष के साथ जे के सीमेंट के तकनीकी हेड राजेश सोनी ने रेली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जिसमे संस्थान के प्रशिक्षनार्थियो ने निकटवर्ती कालोनियों में रैली एवं उद्घोष के माध्यम से पर्यावरण सरक्षण का सन्देश दिया।

जिला प्रदुषण नियंत्रण विभाग से दीपेश कुमार, अंकित, सूर्यकांत, जे के सीमेंट के तकनीकी हेड राजेश सोनी पर्यावरण विभाग से चंद्रकांत तिवारी, रवि पाटीदार, सीएसआर प्रमुख राहुल कुमार एवं अन्य अधिकारी के आतिथ्य मे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्थान के प्राचार्य के. एल. जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षणार्थियो ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए दो बेहद शानदार और भावुक लघु नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों के जरिए पेड़ों की कटाई और प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान को जीवंत रूप में दिखाया गया, जिसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। पर्यावरण सरक्षण की थीम पर संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट एवं पर्यावरण प्रश्नोत्तरी का आयोजन कर विजेताओ को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

देहदान, मानवता की सर्वोच्च सेवा एवं श्रेष्ठतम दान-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। मानव कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी योगदान का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन, यवतमाल इकाई की कोषाध्यक्ष सौ. दीपा शरद भारतीया की मौसी-सास, 72 वर्षीय श्रद्धेय शारदा जयपुरिया (पुसद, महाराष्ट्र) का देहदान, 25 मई को यवतमाल मेडिकल कॉलेज में संपन्न कराया गया। इस पुण्य एवं समाजोपयोगी कार्य की सराहना करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने कहा कि"देहदान, मानवता के प्रति समर्पण की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। एक देहदान के माध्यम से मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे अनेक विद्यार्थी, शरीर रचना विज्ञान का व्यावहारिक ज्ञान अर्जित कर, अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं। इस प्रकार एक व्यक्ति का अंतिम निर्णय आने वाली पीढ़ियों के चिकित्सकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" उन्होंने कहा कि परम पावन पुरुषोत्तम मास में संपन्न यह देहदान केवल एक धार्मिक एवं मानवीय संकल्प ही नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाला प्रेरणास्पद संदेश भी है। यह कार्य जीवन के उपरांत भी सेवा के भाव को जीवित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है। मित्तल ने इस अनुकरणीय एवं जन-जागरणकारी पहल हेतु अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन, यवतमाल इकाई की अध्यक्ष सौ. पूनम गिरीश जयपुरिया, सचिव सौ. दीपा संजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौ. दीपा शरद भारतीया सहित समस्त यवतमाल इकाई को हार्दिक साधुवाद एवं बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरक कार्य समाज सेवा, संवेदना एवं मानवता के उच्च आदर्शों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आसाराम की अंतरिम जमानत खत्म, कोर्ट ने तथ्यों के साथ राहत देने से किया इनकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर दी गई अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने से इनकार करते हुए राहत समाप्त कर दी। करीब 2 साल से लगातार बढ़ाई जा रही अंतरिम जमानत पर अब रोक लगने के बाद आसाराम को फिर से न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना होगा। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई में पीड़िता के अधिकारों और न्याय की भावना को प्रमुखता देते हुए कहा कि यौन अपराध मामलों में पीड़ित पक्ष की चिंताओं व उसके जीवन पर पड़े प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदेश में टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में न्याय केवल आरोपी के अधिकारों तक सीमित नहीं, बल्कि पीड़िता के सम्मान, सुरक्षा और न्याय की अपेक्षाओं की भी रक्षा की जानी चाहिए।

पीड़िता की ओर से जमानत का विरोध

सुनवाई में आसाराम की ओर से बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के हवाले से अंतरिम जमानत जारी रखने की मांग की गई थी। बचाव पक्ष का तर्क था कि 86 वर्षीय आसाराम विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त हैं और उन्हें चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता है। वहीं अभियोजन पक्ष और पीड़िता की ओर से इस मांग का विरोध किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने राहत बढ़ाने की मांग अस्वीकार कर दी। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2013 का है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा स्थित एक गुरुकुल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा ने आरोप लगाया था कि जोधपुर के निकट स्थित आश्रम में उसके साथ यौन शोषण किया गया।

मुरलीपुरा क्षेत्र के 8 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर और निर्बाध बिजली

सन-सिटी 33 केवी जीएसएस की बढ़ेगी क्षमता

लोहा मंडी जीएसएस से सन सिटी जीएसएस तक स्थापित होगा अंडरग्राउंड फीडर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के मुरलीपुरा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति और बेहतर होगी। जयपुर डिस्कॉम ने इसके लिए महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी दे दी है। इससे मुरलीपुरा विद्युत उपखण्ड जी-3 क्षेत्र के लगभग 6500 और बडपीपली क्षेत्र के करीब 1500 उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए जयपुर डिस्कॉम ने सन-सिटी स्थित 33/11 केवी सब-स्टेशन के विस्तार का निर्णय किया है। इस सब-स्टेशन में 8 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा और मौजूदा 5 एमवीए ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 8 एमवीए की जाएगी। इसके अलावा लोहा मंडी 33/11 केवी सब-स्टेशन से सन-सिटी सब-स्टेशन तक नया 33 केवी भूमिगत (अंडरग्राउंड) फीडर स्थापित किया जाएगा।

कार्य पूर्ण होने के बाद मुरलीपुरा जी-3 क्षेत्र के सभी 11 केवी फीडरों को सन-सिटी सब-स्टेशन से जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र को अधिक स्थिर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस परियोजना पर लगभग 6.94 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। योजना को अधीक्षण अभियंता (प्लान), जयपुर डिस्कॉम की ओर से 1 जून 2026 को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उक्त कार्य को आगामी तीन माह में कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुरलीपुरा जी-3 के उपभोक्ताओं की लम्बे समय से मांग थी कि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति शहरी क्षेत्र की विद्युत लाइन से जोड़कर की जाये। यह परियोजना पूर्ण होने के बाद करीब 8 हजार उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा तथा विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं में कमी आएगी। वर्तमान में जयपुर नगर वृत्त-उत्तर के अंतर्गत मुरलीपुरा जी-3 सब-डिवीजन क्षेत्र के कुछ उपभोक्ताओं को बड़पीपली, सनसिटी और नागल सिरसा स्थित 33/11 केवी सब-स्टेशनों से बिजली आपूर्ति की जा रही है। इन सब-स्टेशनों को एक ही 33 केवी फीडर से बिजली मिलने से क्षेत्र की आपूर्ति में व्यवधान को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आती हैं। अब इस योजना के क्रियान्वयन के बाद आपूर्ति में सुधार होगा।

स्मार्ट होम का खतराः WiFi वाले पंखे-AC से बढ़ रहा बिजली बिल और प्राइवेसी का रिस्क

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर @ नविता मिश्रा। इंसान स्मार्ट बनने के लिए क्या क्या नहीं कर रहा हैं, फोन और TV के साथ अब उसे घर को भी 'स्मार्ट' बनाने की होड़ में लोग धड़ल्ले से WiFi वाले पंखे, टीवी, फ्रिज और ष्ट खरीद रहे हैं। अब चाहे आप के बच्चे और परिवार जन आपकी बात सुने ना सुने परन्तु alexa और google और siri जैसे AI वॉयस असिस्टेंट आपकी बात जरूर सुनते हैं। मोबाइल से चलने वाले ये उपकरण सुविधा तो देते हैं, पर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और ऊर्जा विशेषज्ञों ने इनके छिपे नुकसानों पर चिंता जताई है।

स्टैंडबाय में भी पी रहा बिजली

रिपोर्ट्स के अनुसार WiFi मॉड्यूल वाले उपकरण 24 घंटे एक्टिव रहते हैं। एक स्मार्ट एसी स्टैंडबाय मोड में 3 से 5 वॉट तक बिजली लेता है। एक सामान्य घर में अगर 2 एसी, 1 टीवी, 1 फ्रिज और 2 पंखे WiFi से जुड़े हैं, तो सालाना लगभग 250-400 यूनिट अतिरिक्त खर्च हो सकती है। यानी 2000 से 3500 रुपये का अतिरिक्त बिल।

इंटरनेट गया तो 'स्मार्ट' भी गया

लाजपत नगर निवासी रमेश गुप्ता बताते हैं, "बिजली कटने के बाद जब इन्वर्टर चला तो मेरा स्मार्ट एसी राउटर से कनेक्ट ही नहीं हुआ। आधे घंटे तक ऐप से जूझता रहा, अंत में पुराना रिमोट ढूंढना पड़ा।" विशेषज्ञ मानते हैं कि इंटरनेट पर अत्यधिक निर्भरता इन उपकरणों की सबसे बड़ी कमजोरी है।

डेटा चोरी का डरः टीवी आपको देख रहा है

साइबर सिक्योरिटी फर्म हमेशा चेतावनी देती हैं "हर स्मार्ट टीवी आपकी देखने की आदतें कंपनी के सर्वर पर भेजता है। कमजोर WiFi पासवर्ड हुआ तो हैकर आपके पूरे होम नेटवर्क में सेंध लगा सकता है। फ्रिज और एसी के डेटा से पता चल जाता है कि घर में कोई है या नहीं।" 2025 में भारत में 3 लाख से ज्यादा स्मार्ट टीवी में मैलवेयर पाया गया था।

3 साल बाद अपडेट बंद, खतरा शुरू

उपभोक्ता मामलों के जानकार कहते हैं, "कंपनियां 2-3 साल बाद पुराने मॉडल का सॉफ्टवेयर अपडेट देना बंद कर देती हैं। फ्रिज तो 10 साल चलता है, पर उसका सॉफ्टवेयर 3 साल में ही असुरक्षित हो जाता है। फिर उसे न तो फेंक सकते हैं, न सुरक्षित रख सकते हैं।"

घर का इंटरनेट हुआ स्लो

एक राउटर पर जब 8-10 डिवाइस - फोन, लैपटॉप, टीवी, 2 एसी, फ्रिज, पंखे - एक साथ जुड़ते हैं तो बैंडविड्थ बंट जाती है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

वैसे मेडिसिन विभाग का कहना है कि WiFi से निकलने वाली रेडिएशन 'नॉन-आयोनाइजिंग' है और अभी तक कोई प्रत्यक्ष नुकसान सिद्ध नहीं हुआ है। फिर भी बेडरूम में 24 घंटे सिर के पास स्मार्ट डिवाइस रखने से बचने की सलाह दी जाती है क्यों? नुकसान तो हैं पर उसकी मार्केटिंग नहीं की जा रहीं।

बचने के उपाय क्या हैं?

» **मजबूत पासवर्ड** : राउटर और डिवाइस का डिफॉल्ट पासवर्ड तुरंत बदलें।
» **फिजिकल कंट्रोलः** ऐसा मॉडल चुनें जिसमें रिमोट या मैनुअल बटन भी हो।
» **गेस्ट नेटवर्क** : स्मार्ट उपकरणों को घर के मुख्य WiFi की बजाय अलग 'गेस्ट नेटवर्क' पर चलाएं।
» **जरूरत पर खरीदेंः** जब बहुत ज्यादा जरूरी हो या आवश्यक हों तभी स्मार्ट डिवाइस को चुने और बुजुर्गों के कमरे में सादे उपकरण ही लगवाएं।

स्मार्ट होम टेक्नोलॉजी समय की मांग है, पर अंधी दौड़ खतरनाक हो सकती है। उपभोक्ता को सुविधा के साथ-साथ बिल, डेटा और सुरक्षा की कीमत भी समझनी होगी। जैसा विशेषज्ञ कहते हैं - "स्मार्ट बनिए, पर स्मार्ट उपकरण के गुलाम नहीं।"

हाथ थैला फुटकर फल व्यवसायी यूनियन की कार्यकारिणी घोषित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। हाथ थैला फुटकर फल व्यवसायी यूनियन की बैठक खरडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई जहाँ सर्वसम्मति से निर्विरोध नवीन जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मत निर्णय लेते हुए संरक्षक पद पर हुसैन भाई, अध्यक्ष कमलेश गुर्जर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नाथुलाल खटीक, सचिव सलमान मेवाफरोश, सहसचिव रमेश अहीर, उपाध्यक्ष नियाज भाई, कुरबान भाई, मुकदर भाई, वसीम भाई, दिनेश खटीक, कोषाध्यक्ष देवकिशन चौधरी, मीडिया प्रभारी भवानी शंकर रेगर को निर्विरोध मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष देवकिशन चौधरी ने बताया कि बैठक में प्रत्येक पूर्णिमा पर मासिक बैठक कर व्यवसायियों की समस्याओं पर चर्चा किये जाने का निर्णय भी लिया। इस दौरान समस्त व्यवसायियों को आपसी भाईचारा रखते हुए एक दूसरे का साथ देने और एक जूट रहने का आह्वान किया गया। इस दौरान उदयलाल, दिनेश, चंपालाल, दीपक, मनीष छीपा, दिनेश खटीक, अंतिम जैन, मुकेश रेगर, नरेश सिंधी, रामेश्वर जाट, प्रेम सालवी, पूरण सालवी, इन्दर, अरविन्द, शेरखान, गंगाराम मीणा, करण भोई, मांगीबाई, टीना भोई, यूनूस भाई, राजू अहीर सहित कई फुटकर फल व्यवसायी मौजूद रहे।

अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में पारंगत होने के साथ ही सर्वांगिण विकास पर बल

हिन्दुस्तान ज़िंक के शिक्षा संबलः समर कैंप में लाभान्वित हो रहे हजारों विद्यार्थी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शिविर में बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास इस बात को साबित करने के लिए अनुकूल थे कि उन्हें पढ़ाई मे रूचि के साथ साथ अपने गुरूजनों से अभिभावकों जैसा व्यवहार और मार्गदर्शन उन्हें घर से दूर घर सा ही वातावरण दे रहे है जो कि उनके भविष्य की नींव के लिए अमूल्य है।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा चलायें जा रहे शिक्षा संबल कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों में राज्य के 6 जिलों उदयपुर, सलुम्बर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा एवं अजमेर के राजकीय विद्यालयों के 1600 से अधिक बच्चें उत्साह से भाग ले रहे है। इन प्रशिक्षण शिविरों में बच्चों को विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों के साथ ही शारीरिक, खेलकूद, बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर उनके सर्वांगिण विकास की और अग्रसर किया जा रहा है। छात्रों की भागीदारी और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के तहत, इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 9वें ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन जिंक स्कूल, जिंक नगर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दशोरा, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी

नफीस अहमद, आरसीएचओ डॉ. प्रियंका वर्मा, चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के हेड सीएआर सुंदर राज नायडू विद्या भवन से कमल महेंद्र, नहल राजपाल एवं नेहा मुर्डिया उपस्थित थे।

इस शिविर में 250 से अधिक छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया है। शैक्षणिक विषयों के साथ-साथ, ये शिविर कौशल विकास, व्यक्तित्व निखार, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी विशेष जोर देते हैं, जिससे छात्रों को अपनी शैक्षिक और व्यक्तिगत क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विद्या भवन सोसायटी उदयपुर के सहयोग से आयोजित 9वें आवासीय ग्रीष्मकालीन शिविर का औपचारिक शुभारंभ विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल किया गया। 20 मई 2026 से 19 जून 2026 तक आयोजित होने वाले इस आवासीय प्रशिक्षण शिविर में 340 से अधिक बच्चें 8 वीं, 10 वीं कक्षा एवं 12वीं कक्षा के मार्गदर्शन हेतु भाग ले रहे है। इस बार 6 लोकेशन चंदेरिया, दरीबा, देबारी, कायड़, आगूचा और जावर पर आयोजित गैर आवासीय कैम्पों में 1200 विद्यार्थी तथा उदयपुर में आयोजित 3 आवासीय कैंपों में सभी लोकेशन से आए कक्षा 10 के लगभग 240, कक्षा 8 के 50 और कक्षा 12 (विज्ञान संकाय) के 50 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस वर्ष आवासीय कैम्प में डिजिटल कक्षाएं, ऑडियो-विजुअल सामग्री, हैंड्स-ऑन गतिविधियां, मिट्टी कला, पॉटरी, वेस्ट सामग्री से क्रिएटिव निर्माण और रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों को भी शामिल किया गया है। 10 वर्ष पूर्व प्रायोगिक तौर पर शुरू किये गये इस आवासीय शिविर की सफलता उनकी बढ़ती हुई संख्या से सिद्ध होती है। परिणामों को बेहतर बनाने और शिक्षा की पद्धति इस कार्यक्रम और शिविरों की अद्वितीय खासीयत है। हिन्दुस्तान जिंक सदैव आगे बढ़कर ग्रामीण बच्चों के संपूर्ण विकास के लिये आगे आता रहा है शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत् अध्यापन में अभाव महसूस कर रहे बच्चों के लिये 20 वर्षो से लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों में शिक्षण के साथ ही कौशल विकास, व्यवहार तथा अन्य गतिविधियों जैसे खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमो से बच्चों में व्यक्तिगत और शिक्षात्मक सुधार का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत् हिन्दुस्तान जिंक द्वारा 10वीं कक्षा से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सरकारी विद्यालयों में जहा पद रिक्त है विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी के विषयध्यापकों द्वारा शिक्षा दी जा रही है। इस आवासीय प्रशिक्षण शिविर में 8वीं, 10वीं एवं 12वीं कक्षा में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा अध्यापन कराया जा रहा है जिससे वे इन विषयों के बारें में सामान्य जानकारी को रूचिकर तरिकों से सीख सकें।

5000 व्यवसायिक वाहन चालकों को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

बालोतरा @ जागरूक जनता। जिला सड़क सुरक्षा समिति बालोतरा एवं परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की प्रेरणा से क्षेत्रीय चालक प्रशिक्षण उपकेंद्र (एडीटीआई), ट्रीटमेंट प्लांट के सामने, समदड़ी रोड बालोतरा में व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए "निःशुल्क रिफ्रेशर ट्रेनिंग एवं सर्टिफिकेशन प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाहन निरीक्षक पुष्पेन्द्र शर्मा ने बाल वाहिनी चालकों एवं टैक्सी चालकों को सुरक्षित वाहन संचालन, यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा मानकों तथा दुर्घटना रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करते हुए प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी भगवान सहलोत ने बताया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की प्रेरणा से जिले के करीब 5000 व्यवसायिक वाहन चालकों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य भारी एवं व्यवसायिक वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा, सुरक्षित ड्राइविंग, सरकारी योजनाओं एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर कुशल एवं जिम्मेदार चालक के रूप में तैयार करना है। वाहन निरीक्षक पुष्पेन्द्र शर्मा ने कहा कि वाहन चलाते समय चालक का जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार अत्यंत आवश्यक है तथा सुरक्षित ड्राइविंग के लिए नियमित प्रशिक्षण अनिवार्य है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए "सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा" की शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम में उपस्थित वाहन चालकों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने का संकल्प लिया।

बड़ीसादड़ी एवं डूंगला ब्लॉक कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बड़ीसादड़ी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं डूंगला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर सैकड़ों की संख्या में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य, पंचायती राज जनप्रतिनिधि, सरपंच, उपसरपंच, ब्लॉक एवं मंडल कांग्रेस पदाधिकारी, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सहकारिता राज्य मंत्री एवं बड़ीसादड़ी विधायक गौतम कुमार दक पर पुलिसकर्मियों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल मंत्रीमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस घटना से पुलिस विभाग की गरिमा को ठेस

पहुंची है तथा प्रदेश भर के पुलिसकर्मियों में आक्रोश का माहौल है। साथ ही ज्ञापन में बड़ीसादड़ी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में डाले गए जिंक के अवशिष्ट एवं अन्य खतरनाक औद्योगिक मलबे का मुद्दा भी उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि क्षेत्र में डाले गए समस्त जिंक अपशिष्ट को तत्काल हटाया जाए, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रदूषण से पर्यावरण, कृषि भूमि, भूजल, पशुधन एवं आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय को भी ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें राज्य मंत्री गौतम कुमार दक द्वारा एक पुलिसकर्मी के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करने एवं महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक एवं अनुचित भाषा का प्रयोग करने के आरोपों का उल्लेख करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच, आवश्यक कानूनी कार्रवाई तथा तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई।

मनस्वी ने रचा इतिहास, एवरेस्ट किया फतह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। जांबाज बेटी मनस्वी अग्रवाल ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट

(8,848.86 मीटर) पर तिरंगा फहराकर एक नया इतिहास रच दिया । इस अभूतपूर्व कामयाबी के साथ ही मनस्वी पूरे भारत में अग्रवाल समाज से एवरेस्ट फतह करने वाली दूसरी बेटी बन गई हैं। उनकी इस स्वर्णिम सफलता से न सिर्फ झीलों की नगरी उदयपुर, बल्कि पूरा राजस्थान और देश के अग्रवाल समाज गर्व से सराबोर हो उठा है। मनस्वी ने अत्यंत दुर्गम परिस्थितियों, हाड़ कंपाने वाली ठंड (माइनस 30 डिग्री से भी कम तापमान) और तीव्र बर्फीले तूफानों का डटकर सामना करते हुए यह मुकाम हासिल किया। एवरेस्ट के 'डेथ ज़ोन' कहे जाने वाले अंतिम पड़ाव की जानलेवा चुनौतियों को पार कर जैसे ही उन्होंने शिखर पर कदम रखा, वैसे ही भारत का राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' और अग्रवाल समाज का गौरव ऊंचाइयों पर लहरा उठा। उनकी इस साहसिक यात्रा में उनके अदम्य साहस, कठोर अनुशासन और अटूट इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी भूमिका रही। पर उतरते वक्त उनकी तबियत खराब हो गयी, इस कारण आपका अभी नेपाल की राजधानी काठमाडौ के नोर्भिक अस्पताल में इलाज चल रहा है। भारत की प्रथम 48 वर्ष की प्रेमलता अग्रवाल जिन्होंनें एबरेस्ट विजय की थी आप भी अस्पताल पहुँचकर मनस्वी के स्वास्थ सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की थी। वे किसी कार्यक्रम में भाग लेने नेपाल आयी हुई थी। इस सीजन में एवरेस्ट विजेता बनी नेपाल की प्रथम मारवाडी महिला प्रीति अग्रवाल रतेरिया भी लगातार मनस्वी के सम्पर्क में है। मनस्वी की इस सफलता के पीछे उनकी महीनों की कठोर शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग है। मिशन पर निकलने से पहले उन्होंने पर्वतारोहण के कई एडवांस कोर्स पूरे किए थे और अत्यधिक ऊंचाई वाले कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में खुद को ढालने के लिए कड़ा अभ्यास किया था।

संतुलित उर्वरक उपयोग एवं जैविक खेती अपनाने पर सैंकड़ों किसानों को किया जागरूक

सलूम्बर @ जागरूक जनता। महात्मा गांधी नरेगा ग्राम एवं संतुलित उर्वरक उपयोग विषय पर बनोड़ा गांव, सलूम्बर तहसील में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया, जिनमें 109 महिला एवं 41 पुरुष किसान शामिल रहे। कार्यक्रम में वार्ड पंच भंवरलाल मीणा, कालूलाल मेघवाल एवं नारायण मेघवाल भी उपस्थित रहे। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर. पी. शर्मा ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाने का आह्वान करते हुए उद्यानिकी फसलों में पोटाश उर्वरकों के उपयोग से फल गुणवत्ता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. आर. एस. मीणा ने दलहनी फसलों को खेती प्रणाली में शामिल करने से मिट्टी में जैविक नत्रजन स्थिरीकरण के लाभ बताए। वहीं वैज्ञानिक डॉ. बृजेश यादव ने किसानों को सोयाबीन बीजोपचार हेतु राइजोबियम कल्चर प्रयोग की विधि का प्रदर्शन कर जानकारी दी।

एचएलबी का शत-प्रतिशत कार्य करने वाले प्रगणको को सम्मानित

तारानगर @ जागरूक जनता। नगरपालिका के सभा भवन में सुश्री प्रियंका कड़ेला उपखण्ड जनगणना अधिकारी तारानगर की अध्यक्षता में मकान सूचीकरण व

मकान जनगणना के प्रथम चरण के सफल संचालन हेतु सुपरवाईजरो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। नगर चार्ज जनगणना अधिकारी अजय प्रताप सिंह द्वारा किसी प्रकार की समस्या हो तो इस कार्यालय द्वारा समयबद्धता में निस्तारण किया जावेगा। उपखण्ड जनगणना अधिकारी ने निर्देश दिये की सभी सुपरवाईजर प्रगणको को निर्देशित करे की स्टीक एवं पारदर्शिता से निर्धारित समयावधि में कार्य करने सम्पन्न करावे साथ ही सुपरवाईजरो द्वारा फील्ड क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाये। जिनको चार्ज जनगणना प्रभारी भागचन्द किरोड़ीवाल द्वारा फील्ड समस्याओं को दूर करने की जानकारी दी गई। क्षेत्र में आवंटित एचएलबी का शत्प्रतिशत कार्य करने पर प्रगणक प्रदीप कुमार स्वामी, सतवीर शर्मा, मनोज कुमार प्रजापत, केशर, जयनारायण प्रजापत को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुपरवाईजर हरदेवाराम, अशोक कुमार जांगिड़, भागचन्द, देवकरण, बनवारी लाल, जयसिंह मोगा, रामनिवास, शुभकरण, संजय कुमार शर्मा एवं टेक्नीकल टीम नरसाराम, नन्दलाल, लक्खूसिंह, हेमराज प्रजापत उपस्थित रहे।

बिरला शिक्षा केंद्र की छात्रा रिदा सैयद सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले की प्रतिभाशाली छात्रा रिदा सैयद ने राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चित्तौड़गढ़ का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है। बिरला शिक्षा केंद्र, माधवनगर की कक्षा 12वीं की छात्रा रिदा को "मेरी माँ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन मातृत्व के प्रेम, त्याग, स्नेह और समर्पण को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से किया गया था। देशभर के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और कलाकारों ने इसमें भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 37,196 चित्रकृतियाँ प्राप्त हुई, जिनमें से केवल 206 श्रेष्ठ कृतियों का चयन किया गया। रिदा सैयद की कलाकृति भी इन चयनित उत्कृष्ट रचनाओं में शामिल रही, जो उनके रचनात्मक कौशल और कलात्मक दृष्टिकोण का प्रमाण है। रिदा ने अपनी चित्रकला में माँ के प्रेम और भावनात्मक संबंधों को अत्यंत संवेदनशीलता और प्रभावशाली रंग संयोजन के साथ प्रस्तुत

महिलाओं एवं किसानों को दिलाई जल संरक्षण की शपथ

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियानः जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती का दिया संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा कृषि अनुसंधान उपकेंद्र समदड़ी में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, महिलाओं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान उद्यान विभाग के उप निदेशक शंकरलाल सोलंकी ने अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बन गई है। उन्होंने उपस्थित किसानों एवं महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का आह्वान किया। कृषि अनुसंधान उपकेंद्र समदड़ी के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण

भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताते हुए कंपोस्ट पिट के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली गोबर खाद तैयार करने, वर्षा जल संचयन के लिए घरों में सोख्ता गड्ढों के निर्माण तथा जल संरक्षण की विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती का समन्वय किसानों की आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सहायक निदेशक उद्यान भेराराम गोदारा ने परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि तालाब, कुएं और जोहड़ जैसे पारंपरिक जल स्रोत ग्रामीण जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण से भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अनुदान कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। कृषि अधिकारी सुखदेव प्रजापत ने कृषि विभाग की जल बचत संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि फार्म पॉण्ड एवं पाइपलाइन योजनाओं के माध्यम से किसानों को जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने योजनाओं में मिलने वाले अनुदान तथा आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

पुराने रूट पर दौड़ेगी रेल, बालोतरा-पचपदरा 11 चरू लाइन को मिली नई रफ्तार

बाड़मेर @ जागरूक जनता। बालोतरा से पचपदरा के बीच प्रस्तावित 11 किमी लंबी नई रेलवे लाइन परियोजना को लेकर बड़ा फैसला हुआ है। रेलवे ने इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग के लिए पुराने अलाइनमेंट पर ही फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) कराने का निर्णय लिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर यह निर्णय लिया। बैठक के दौरान ड्रोन के माध्यम से जमीनी परिस्थितियों का अवलोकन किया गया। वहीं पचपदरा के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए पुराने अलाइनमेंट पर ही रेलवे लाइन निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म   दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जल सेवा : मानवता की सर्वोत्तम सेवा- मित्तल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हावड़ा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की सेंट्रल हावड़ा जिला इकाई द्वारा समाज-हित एवं जन- कल्याण के उद्देश्य से एक अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणा दायक सेवा कार्य का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के मौसम में विद्यार्थियों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु श्री हनुमान बालिका विद्यालय, बाँधघाट (हावड़ा) में वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने कहा कि "जल सेवा सबसे बड़ी सेवा है। किसी प्यासे को जल उपलब्ध कराना मानवता की सर्वोच्च साधना है।" उन्होंने कहा कि समाज के वंचित एवं आवश्यकता वाले वर्गों के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य संस्था की मूल भावना एवं महाराजा अग्रसेन के आदर्शों का सजीव प्रतिबिंब हैं। कार्यक्रम में उत्तर हावड़ा के

विधायक उमेश राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सेंट्रल हावड़ा जिला इकाई की अध्यक्ष स्मिता जालान सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की यह पहल न केवल स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, अपितु समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण भी है। उपस्थित वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सेवा कार्य समाज के अन्य संगठनों एवं नागरिकों को भी जनहित के कार्यों हेतु प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रमुख पदाधिकारियों एवं सदस्यों में अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मित्तल, अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गणेश भरतिया, सुलेखा भरतिया, स्मिता जालान, नवरत्न जालान, संजय सिंगला, विजय अग्रवाल,आशा अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, इंद्रा अग्रवाल, संजय लाठ, उषा लाठ, प्रकाश किल्ला, प्रवीण भूत, कुसुम अग्रवाल, क्षमा पोद्दार, विनोद बंसल, साक्षी अग्रवाल एवं नवीन अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में शंभू मोदी, कुसुम मोदी, विक्रम अग्रवाल, भरत शाह, संदीप चौधरी, सुभाष अग्रवाल, मीरा बालोदिया, ललिता राजगढ़िया एवं बंसल की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधान अध्यापक तारक पांडेय ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस जनोपयोगी कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने सेंट्रल हावड़ा जिला इकाई के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस अनुकरणीय सेवा कार्य के लिए हार्दिक बधाई, साधुवाद एवं शुभ कामनाएँ प्रेषित की हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

राजस्थान ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 7 करोड़ 19 लाख खातों के साथ देश में दूसरे स्थान पर

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में 90 करोड़ 'आभा' खातों का बना ऐतिहासिक रिकॉर्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में गांव-ढाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं सुविधाओं में निरंतर विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसे तकनीकी नवाचार का सफल क्रियान्वयन करते हुए मरीजों का डेटा यूनिक हेल्थ आभा आईडी के माध्यम से संधारित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करना आसान हुआ है और लोगों को अपना हेल्थ रिकॉर्ड मोबाइल पर उपलब्ध भी हो रहा है।

यूनिक आभा (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खातों) बनाने में राजस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 7 करोड़ 19 लाख से अधिक आभा आईडी बनाते हुए प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, देशभर में वर्ष 2026 में इन खातों की संख्या ने 90 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है, जिससे नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य सेवा सशक्त हो रही है। गत 5 वर्षों से अधिक के कालखंड में आभा खाते बनाने में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुल आभा खातों की संख्या 2021 में 14.7 करोड़ से बढ़कर 2022 में 30.4 करोड़, 2023 में 50.6 करोड़, 2024 में 72.2 करोड़ और 2025 में 84.5 करोड़ दर्ज हुई थी।

आभा एक विशिष्ट डिजिटल स्वास्थ्य पहचान है, जो नागरिकों को उनकी सहमति से उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से जोड़ने, देखने और साझा करने में सक्षम बनाती है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रमुख आधार स्तंभों में से एक के रूप में, 'आभा' विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, केंद्रों और डिजिटल स्वास्थ्य ऐप्स के बीच लंबे समय तक चलने वाले स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने में मदद करती है।

उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां मरीज, डॉक्टर और अस्पताल एक-दूसरे से डिजिटल रूप से जुड़े होते हैं। योजना के तहत पंजीकृत नागरिक की एक 14 अंकों की यूनिक आभा हेल्थ आईडी बनती है, जो रोगी की पहचान और मेडिकल रेकार्ड का आधार होती है।

डॉ. शर्मा ने कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष का कार्यभार किया ग्रहण

जोधपुर @ जागरूक जनता। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन संचालित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के उपाधीक्षक एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने स्नातकोत्तर काय चिकित्सा विभाग (मेडिसिन डिपार्टमेंट) के विभागाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा